■ आश्विन शुक्ल - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 79 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 11-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी सरकार पर 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं : शाह

6 अब गठबंधन के साथी कांग्रेस की कर रहे हैं फजीहत!

7 'गुलमोहर' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पाना बड़ी उपलब्धि : मनोज वाजपेयी

अवकाश की सूचना

सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को आयुद्ध पूजा एवं दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं। दक्षिण भारत राष्ट्रमत कार्यालय में आयुद्ध पूजा के अवसर पर 11 अक्टूबर 2024 को अवकाश रहेगा। अगला अंक 13 अक्टूबर 2024 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा

विश्व में संघर्षों और तनावों के समय भारत-आसियान मित्रता महत्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विएंतियान/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसे समय में जब विश्व के कई हिस्से संघर्ष और तनाव का सामना कर रहे हैं, भारत-आसियान मित्रता बहुत महत्वपूर्ण है। यहां 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने 10 साल पहले 'एक्ट ईस्ट नीति' की घोषणा की थी और पिछले दशक में इसने भारत और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है।

भारत-आसियान शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब क्षेत्र में दक्षिण चीन सागर में समुद्री मुद्दों को लेकर फिलीपीन और चीन के बीच तनाव है तथा म्यांमा में संकट है, जहां जातीय समूह सैन्य शासन से संघर्ष कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि 21वीं सदी, जिसे एशियाई सदी भी कहा जाता है, भारत की और आसियान देशों की सदी है। उन्होंने कहा, ''भारत-आसियान मैत्री, समन्वय वार्ता और सहयोग ऐसे समय में बहुत महत्वपूर्ण है जब विश्व के कई हिस्से संघर्ष और तनाव का सामना कर रहे हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और आसियान देश पड़ोसी हैं और 'वैश्विक दक्षिण' में साझेदार हैं। उन्होंने कहा, ''हम शांतिप्रेमी देश हैं और एक दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं तथा क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' मोदी ने कहा कि आसियान की केंद्रीयता को ध्यान में रखते हुए भारत ने 2019 में हिंद-प्रशांत महासागर पहल शुरू की थी। उन्होंने कहा, ''पिछले साल, क्षेत्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए समुद्री अभ्यास शुरू किए गए।''

भारत भुगतान प्रणालियों को जोड़ने में आसियान देशों की मदद करेगा

विएंतियान/भाषा। भारत आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) के इस्तेमाल से जुड़े अपने अनुभव और ज्ञान को आसियान देशों के साथ साझा करेगा। बृहस्पतिवार को एक संयुक्त वक्तव्य में यह जानकारी दी गई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन में विविध चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोग की संभावना भी तलाशी जाएगी। विएंतियान में आयोजित 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों पक्षों ने कहा कि वे नवाचारी डिजिटल समाधानों के जरिये आसियान और भारत में भुगतान प्रणालियों के बीच सीमापार संबंधों के सहयोग की संभावना तलाशेंगे।

अपने 'रत्न' रतन टाटा को भारत ने दी भावभीनी विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत की आर्थिक राजधानी ने अपने सबसे प्रतिष्ठित पुत्रों में से एक रतन टाटा को बृहस्पतिवार को भावभीनी विदाई दी और हजारों आम नागरिकों से लेकर दिग्गजों ने उनकी अंतिम यात्रा से पहले उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रसिद्ध उद्योगपति एवं परोपकारी टाटा का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार शाम मध्य मुंबई स्थित एक शवदाह गृह में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। मुंबई पुलिस ने उन्हें श्रद्धांजलि और गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पद्म विभूषण से सम्मानित टाटा (86) का बुधवार रात शहर के एक अस्पताल में निधन हो गया।

शवदाह गृह में मौजूद एक धर्म गुरु ने बताया कि अंतिम संस्कार पारसी परंपरा के अनुसार किया गया। उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार के बाद दिवंगत उद्योगपति के दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित बंगले में तीन दिन तक अनुष्ठान किए जाएंगे।

बुधवार देर रात उनके निधन के बाद, बृहस्पतिवार तड़के उनके पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान पर ले जाया गया, तथा वहां से एक सांस्कृतिक केंद्र में ले जाया गया, ताकि आम जनता उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे सके। उद्योग जगत की हस्तियां, शीर्ष राजनीतिक नेता, खेल और फिल्म जगत की शख्सियतें तथा मुंबईवासी टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए। जैसा कि महाराष्ट्र सरकार ने पहले ही घोषणा की थी, अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ हुआ, जिसके तहत ताबूत को तिरंगा से लपेटा गया और मुंबई पुलिस ने बंदूकें चलाकर उन्हें सलामी दी। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से दिग्गज उद्योगपति को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने का आग्रह किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय कला प्रदर्शन केंद्र (एनसीपीए) में पुष्पांजलि अर्पित की। सबसे अमीर भारतीय मुकेश अंबानी के नेतृत्व में अंबानी परिवार ने भी दिवंगत कारोबारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

फर्स्ट टेक

तमिलनाडु पुलिस ने सात बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

इरोड/भाषा। तमिलनाडु में इरोड के पास स्थित कपड़ा इकाइयों में काम कर रहे सात बांग्लादेशी नागरिकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है क्योंकि उनके पास पासपोर्ट/वीजा नहीं था। यह जानकारी पुलिस ने बृहस्पतिवार को दी। पुलिस के अनुसार, एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पेरुंदुरई के पास पनिक्कम्पलायम गांव में कुछ निजी कंपनियों के परिसरों की तलाशी ली और 22 श्रमिकों को हिरासत में लिया, जो तमिलनाडु के नहीं हैं।

बम की धमकी, तीन घंटे से अधिक समय तक रुकी रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे अधिकारियों को विस्फोटक साथ लेकर यात्रा कर रहे संदिग्ध आतंकवादियों के बारे में जानकारी मिलने के बाद बृहस्पतिवार तड़के पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस ट्रेन को उत्तर प्रदेश के टूंडला स्टेशन पर तीन घंटे से अधिक समय तक रोक कर रखा गया, लेकिन सूचना अफवाह साबित हुयी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

हरियाणा में दशहरा बाद नई सरकार के शपथ लेने की संभावना

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को दशहरा के बाद आयोजित किये जाने की संभावना है और कैबिनेट के गठन में जाति और क्षेत्रीय समीकरण जैसे कारकों पर विचार किया जा सकता है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद राज्य में नई सरकार के प्रमुख के रूप में अपने संभावित शपथ ग्रहण से पहले नायब सिंह सैनी ने बुधवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी।

11-10-2024 सूर्यास्त	12-10-2024 सूर्योदय
5:52 बजे	5:58 बजे

BSE	NSE
81,611.41	24,998.45
(+144.30)	(+16.50)

सोना	चांदी
7,953 रु.	101,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

दुर्गा पूजा

कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक कनिष्ठ चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों का असर पश्चिम बंगाल में महासप्तमी के दिन दुर्गा पूजा उत्सव पर भी पड़ा। राज्य में आमतौर पर इस उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है लेकिन विरोध प्रदर्शनों के कारण इस साल लोगों का उत्साह ठंडा है।

सरकार ने हिज्ब-उत-तहरीर को प्रतिबंधित किया

कहा: इसका उद्देश्य इस्लामी राष्ट्र स्थापित करना है

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने इस्लामी समूह हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) को बृहस्पतिवार को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया क्योंकि इसका उद्देश्य जिहाद और आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर इस्लामी देश और खिलाफत स्थापित करना है। वैश्विक इस्लामी समूह एचयूटी 1953 में यरुशलम में बना था।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि एचयूटी युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने तथा आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में संलिप्त है। एचयूटी विभिन्न सोशल मीडिया मंच, सुरक्षित ऐप का उपयोग करके और 'दावाह' (निमंत्रण) बैठक करके युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करके आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों को (समूह में) शामिल करके जिहाद और आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को उखाड़ भारत सहित दुनिया भर में इस्लामी राष्ट्र और खिलाफत स्थापित करना है। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली से 2,080 करोड़ मूल्य की 208 किलोग्राम कोकीन जब्त की

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली में एक दुकान से 2,080 करोड़ रुपये मूल्य की 208 किलोग्राम कोकीन जब्त की है जो एक सप्ताह में बरामद की गई मादक पदार्थों की दूसरी खेप है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार शाम यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नशीले पदार्थों को नाश्ते के प्लास्टिक पैकेट में छिपाकर रखा गया था और इन पैकेट पर 'टेस्टी ट्रीट' और 'चटपटा मिक्सचर' लिखा हुआ था। उन्होंने बताया कि पश्चिमी दिल्ली के रमेश नगर इलाके में एक छोटी सी दुकान से, डिब्बों में रखे ऐसे करीब 20-25 पैकेट बरामद किए गए।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने आर्थिक सहायता के लिए भारत का आभार जताया

माले/भाषा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत की आर्थिक सहायता एवं लगातार समर्थन के लिए बृहस्पतिवार को आभार जताया। पत्नी साजिदा मोहम्मद के साथ भारत की पांच दिन की राजकीय यात्रा समाप्त कर वापस लौटे राष्ट्रपति ने मालदीव को, विशेष तौर पर मुश्किल समय में, आर्थिक सहायता देने और लगातार समर्थन करने के लिए भारत के प्रति आभार जताया। मुइज्जू ने एक प्रेस बयान में भारत की आर्थिक सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, जिसमें पांच करोड़ अमरीकी डॉलर के ट्रेजरी बिल की मियाद को एक वर्ष बढ़ाना शामिल है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रतन टा-टा

जग में उजियारा करने को,
वे अपनी आंखें मले गए।
इस जन्म मृत्यु के चक्कर में,
हम प्रभु के हाथों छले गए।
भारत के थे युग रत्न स्वयं,
अब पंच भूत में ढले गए।
जो खुद टाटा कहलाते थे,
करके टा-टा वे चले गए।।

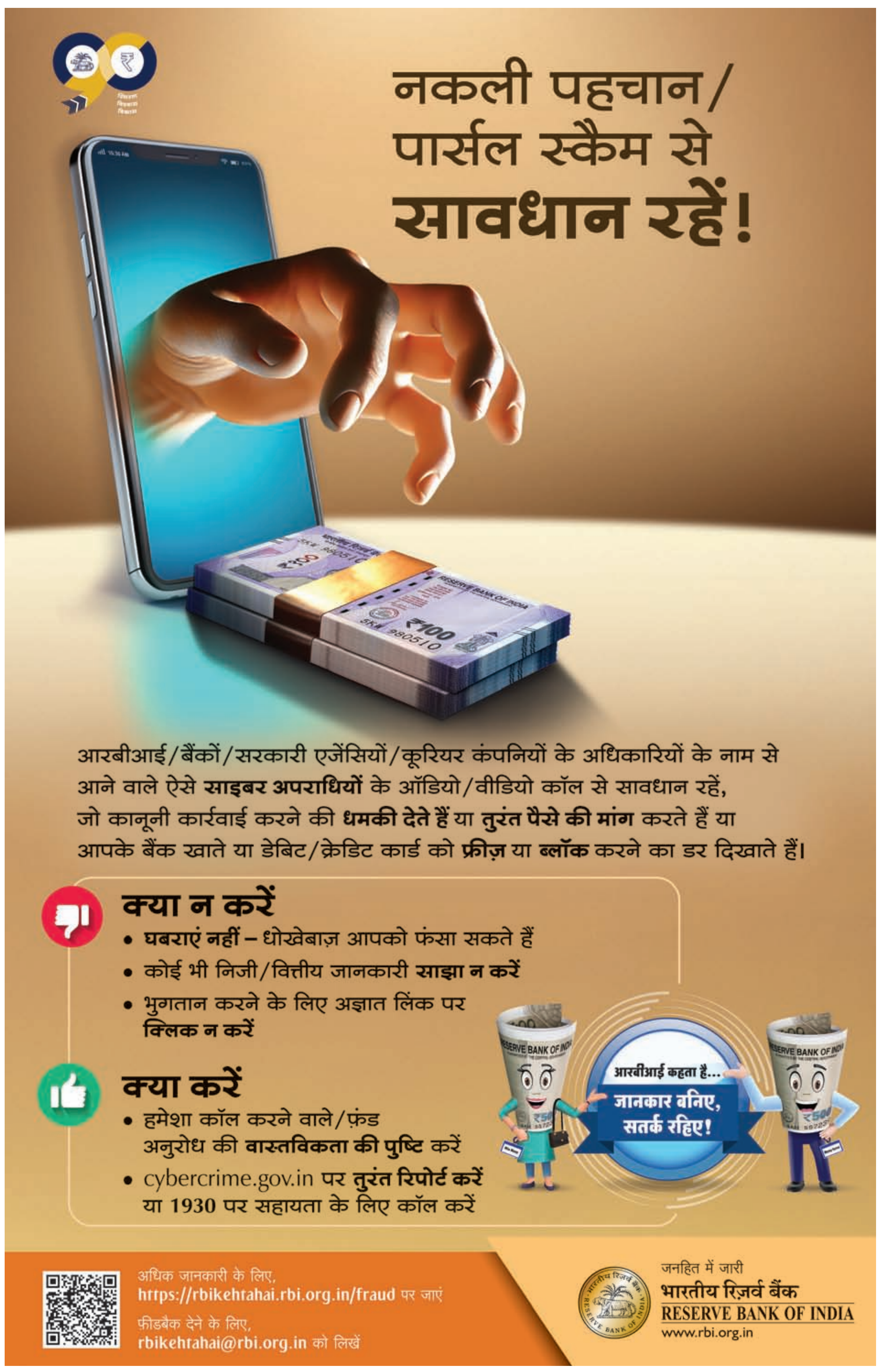

रतन टाटा : दिग्गज उद्योगपति जो संत की तरह जीया

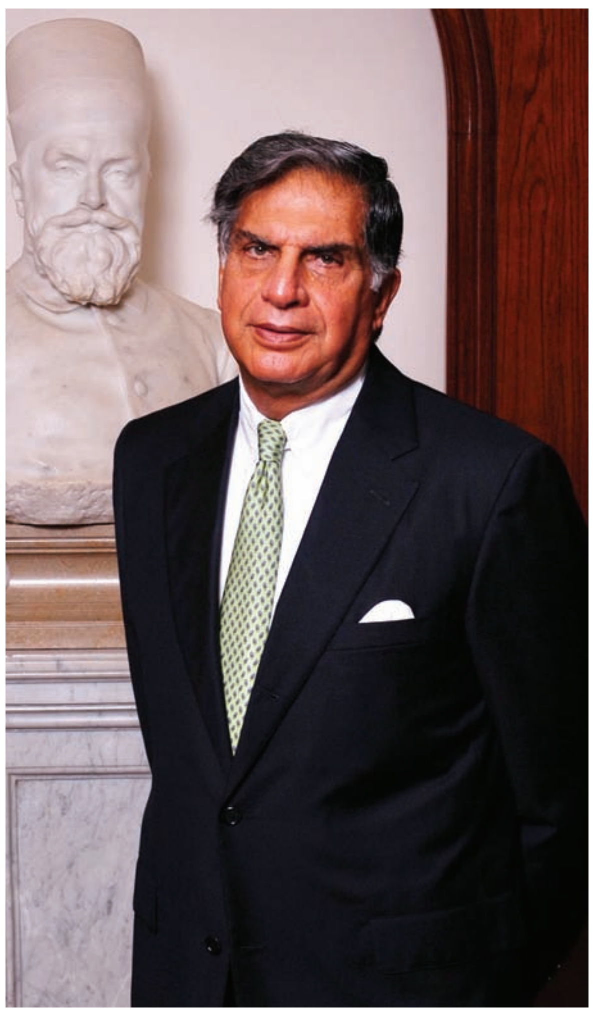

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में शामिल रतन टाटा अपनी शालीनता और सादगी के लिए मशहूर रहे लेकिन वह कभी अरबपतियों की किसी सूची में नजर नहीं आए। वह 30 से ज्यादा कंपनियों के कर्ताधर्ता थे जो छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में फैली हैं लेकिन उन्होंने अपना जीवन एक संत की तरह जीया।

रतन नवल टाटा ने बुधवार की रात 86 वर्ष की आयु में मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। सरल व्यक्तित्व के धनी टाटा एक कॉरपोरेट दिग्गज थे, वहीं अपनी शालीनता और ईमानदारी के बूते वह एक संत की तरह जिए। टाटा ने कभी शादी नहीं की। हालांकि, चार बार ऐसा हुआ जब उनकी शादी होने वाली थी। एक बार ऐसा तब हुआ जब वह अमेरिका में थे। उनके निधन से टाटा ट्रस्ट्स के शीर्ष पद पर एक खालीपन आ गया है, जिसके पास समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस का 66 प्रतिशत हिस्सा है। रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा को उनके उत्तराधिकारी के रूप में एक मजबूत दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। नोएल टाटा, स्टील और घड़ी कंपनी टाइटन के उपाध्यक्ष हैं। उनकी मां और रतन टाटा की सौतेली मां सिमोन टाटा इस समय ट्रेंट, वोल्टास, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन और टाटा इंटरनेशनल की अध्यक्ष हैं। रतन टाटा के छोटे भाई जिम्मी पारिवारिक उद्योग से नहीं जुड़े हैं और कोलाबार के एक दो कमरों के मकान में रहते हैं।

रतन टाटा का जन्म 1937 में एक पारंपरिक पारसी परिवार में हुआ था। उनके माता-पिता नवल और सूनी टाटा का तलाक होने के बाद उनकी दादी उन्हें अपने साथ ले आईं। उस समय रतन 10 वर्ष के थे। रतन टाटा 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से वास्तुकला में बी.एस. की डिग्री प्राप्त करने के बाद पारिवारिक कंपनी से जुड़ गए। वह कैलिफोर्निया में बसना चाहते थे लेकिन दादी की खराब सेहत की वजह से भारत लौट आए थे।

उस समय उन्हें आईबीएम कंपनी से नौकरी का प्रस्ताव मिला था, लेकिन टाटा संस के तत्कालीन अध्यक्ष और रतन टाटा के चाचा जहांगीर रतनजी दादाभाई (जेआरडी) टाटा ने उन्हें अपने समूह के लिए ही काम करने के लिए मनाया। उन्होंने शुरुआत में टाटा समूह के कई व्यवसायों में अनुभव प्राप्त किया, जिसके बाद 1971 में उन्हें (समूह की एक फर्म) 'नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी' का प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया। एक दशक बाद वह टाटा इंडस्ट्रीज के चेयरमैन बने और उन्होंने 1991 में अपने चाचा जेआरडी टाटा से टाटा समूह के चेयरमैन का पदभार संभाला। जेआरडी टाटा पांच दशक से भी अधिक समय तक इस पद पर रहे थे। यह वह वर्ष था जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को खोला और 1868 में एक छोटे वस्त्र और व्यापार प्रतिष्ठान के रूप में शुरुआत करने वाले टाटा समूह ने शीघ्र ही खुद को एक वैश्विक उद्यम में बदल दिया, जिसका साम्राज्य नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र और एयरलाइन तक फैला गया था।

रतन टाटा दो दशक से अधिक समय तक समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी 'टाटा संस' के चेयरमैन रहे और इस दौरान समूह ने तेजी से विस्तार करते हुए वर्ष 2000 में लंदन स्थित टेटली टी को 43.13 करोड़ डॉलर में खरीदा, वर्ष 2004 में दक्षिण कोरिया की देवू मोटर्स के ट्रक-निर्माण परिचालन को 10.2 करोड़ डॉलर में खरीदा, एंग्लो-डच स्टील निर्माता कोरस समूह को 11.3 अरब डॉलर में खरीदा और फोर्ड मोटर कंपनी से मशहूर ब्रिटिश कार ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में खरीदा। भारत के सबसे सफल उद्योगपतियों में से एक होने के साथ-साथ, वह अपनी परोपकारी गतिविधियों के लिए भी जाने जाते थे। परोपकार में उनकी व्यक्तिगत भागीदारी बहुत पहले ही शुरू हो गई थी। वर्ष 1970 के दशक में, उन्होंने आगा खान अस्पताल और मेडिकल कॉलेज परियोजना की शुरुआत की, जिसने भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक की नींव रखी। साल 1991 में टाटा संस के चेयरमैन के रूप में उनकी नियुक्ति के बाद, टाटा के परोपकार संबंधी प्रयासों को नई गति मिली। उन्होंने अपने परदादा जमशेदजी द्वारा स्थापित टाटा ट्रस्ट को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया, ताकि महत्वपूर्ण सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। रतन टाटा ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज जैसे उत्कृष्ट संस्थानों की स्थापना की। साल 2008 में उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। ईमानदारी और शालीनता की प्रतिमूर्ति होने के बावजूद, रतन टाटा विवादों से भी अछूते नहीं रहे। यूं तो समूह का नाम 2008 में 2जी दूरसंचार लाइसेंसों के आवंटन में हुए घोटाले में सीधे तौर पर नहीं आया था, लेकिन लॉबीस्ट नीरा राडिया को किए गए उनके कथित फ़ोन कॉल की लीक हुई रिकॉर्डिंग के जरिए उनका नाम सामने आया।

जब रतन टाटा को एक शब्द का एसएमएस भेजकर नैनो को गुजरात लाये थे मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा को एक शब्द का एसएमएस 'वेल्कम' (स्वागत है) भेजा था, जिसके बाद 2008 में टाटा नैनो परियोजना पश्चिम बंगाल से गुजरात स्थानांतरित हो गई थी। इससे दुनिया की सबसे सस्ती कार बतायी जा रही नैनो के इतिहास में एक अध्याय समाप्त हो गया था और दूसरा अध्याय शुरू हो गया था।

पश्चिम बंगाल में 2006 में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार द्वारा टाटा समूह के वास्ते सिंगूर में नैनो कार उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए किये गए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में उग्र विरोध प्रदर्शन हुए थे।

मोदी ने टाटा को यह एसएमएस उस समय भेजा था जब उद्योगपति कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे और पश्चिम बंगाल से टाटा नैनो परियोजना बाहर ले जाने की घोषणा कर रहे थे।

मोदी ने 2010 में साणंद में 2,000 करोड़ रुपए के निवेश से बने टाटा नैनो संयंत्र का उद्घाटन करते हुए कहा था, ''जब रतन टाटा ने कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वे पश्चिम बंगाल छोड़ रहे हैं, तो मैंने उन्हें एक छोटा सा एसएमएस भेजा था जिसमें मैंने लिखा था, 'वेल्कम' और अब आप देख सकते हैं कि एक रुपए का एसएमएस क्या कर सकता है।''

टाटा ने तीन अक्टूबर, 2008 को पश्चिम बंगाल से नैनो परियोजना को बाहर ले जाने की घोषणा की थी और कहा था कि अगले चार दिन के भीतर गुजरात के साणंद में संयंत्र स्थापित किया जाएगा। मोदी ने तब कहा था कि कई देश नैनो परियोजना के लिए हरसंभव मदद देने को उत्सुक हैं, लेकिन गुजरात सरकार के अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि परियोजना भारत से बाहर न जाए। उन्होंने सरकारी मशीनरी की भी प्रशंसा करते हुए कहा था कि यह दक्षता में कॉर्पोरेट संस्कृति से मेल खा रही है और राज्य के तेज विकास में प्रमुख भूमिका निभा रही है।

साणंद में प्लांट से जून 2010 में पहली नैनो कार के बाहर निकलने के समय, टाटा ने इकाई स्थापित करने में मदद के लिए मोदी के नेतृत्व वाली गुजरात सरकार की सराहना की थी।

टाटा ने कहा था, ''जब हमने एक अन्य नैनो संयंत्र के लिए जमीन की तलाश की, तो हम शांति और सद्भाव की ओर बढ़ना चाहते थे। गुजरात ने हमें वह सब कुछ दिया जिसकी हमें जरूरत थी। मोदी ने हमसे कहा, 'यह सिर्फ टाटा की परियोजना नहीं, यह हमारी परियोजना है।' हम पर जो समर्थन और भरोसा जताया गया है, उसके लिए हम उनके बहुत आभारी हैं।''

टाटा ने 2018 में नैनो कारों का उत्पादन बंद कर दिया।

टाटा ने 'जेएलआर' खरीद कर लिया था अपमान का बदला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। असफलता से सफलता की कहानी लिखना तो कोई रतन टाटा से सीखे। 1999 में टाटा समूह की बड़ी यात्री कार टाटा इंडिका से अपेक्षित लाभ न मिलने पर अपने यात्री वाहन खंड को फोर्ड मोटर्स को बेचने का फैसला करने के बाद, कंपनी के कुछ अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर अपमानित किए जाने से आहत रतन टाटा ने अपनी रणनीति बदली और न केवल सफलता हासिल की बल्कि 2008 में फोर्ड की जेएलआर को खरीद लिया। टाटा समूह की बड़ी यात्री कार टाटा इंडिका पेश किए जाने के एक वर्ष बाद अपेक्षित लाभ नहीं दे रही थी।

हताश होकर रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा मोटर्स के शीर्ष अधिकारियों ने फोर्ड मोटर्स के यात्री वाहन खंड को प्रमुख अमेरिकी वाहन विनिर्माता को संभावित रूप से बेचने का अनुरोध स्वीकार कर लिया। कुछ लोगों ने टाटा को कारोबार बेचने की सलाह दी थी और फोर्ड के अधिकारी बातचीत करने के लिए बॉम्बे हाउस पहुंचे थे।

टाटा मुख्यालय में हुई बैठक के दौरान अमेरिकी कंपनी ने कारोबार खरीदने में रुचि दिखाई। इसके बाद रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा के शीर्ष अधिकारी बैठक के लिए अमेरिका पहुंच गए, जो करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में उपस्थित एक व्यक्ति के अनुसार, फोर्ड के अधिकारियों ने डेट्रॉयट की बैठक में आए भारतीयों को ''अपमानित'' किया।

फोर्ड के अधिकारियों ने अपने मेहमानों से कहा, '' आपको कुछ भी पता नहीं है, आपने यात्री कार खंड क्यों शुरू किया'' और भारतीय कंपनी का कारोबार खरीदकर उस पर एहसान करने की बात कही। सौदा टूट गया।

इस शर्मनाक अनुभव ने रतन टाटा को अपने लक्ष्यों पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इकाई को न बेचने का फैसला किया। इसके बाद जो हुआ वह असफलता से सफलता की कहानी रचने की एक बेहतरीन मिसाल है। दल ने बैठक के तुरंत बाद भारत लौटने का फैसला किया, जिसे वहां मौजूद व्यक्ति ने ''अपमानजनक'' बताया। न्यूयॉर्क लौटते समय 90 मिनट की उड़ान में उदास रतन टाटा कुछ ही शब्द बोले। पूरे समय वह चुप से थे।

अलविदा मेरे जीवन की रोशनी : रतन टाटा के सहयोगी शांतनु नायडू ने अपने बॉस को दी अंतिम विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रतन टाटा के लंबे समय से सहयोगी रहे शांतनु नायडू ने उद्योगपति को अंतिम विदाई देते हुए उन्हें अपने जीवन की रोशनी बताया।

रतन नवल टाटा (आरएनटी) के कार्यालय में महाप्रबंधक नायडू ने तड़के एक पेशेवर नेटवर्किंग साइट पर लिखा, '' इस दोस्ती में अब जो खालीपन आ गया है.. मैं सारा जीवन इसे भरने की कोशिश करूंगा।'' नायडू को सुबह सभी ने येज्दी मोटरसाइकिल पर सवार होकर टाटा के घर से बाहर निकलते और उनके पार्थिव शरीर को ले जा रहे ट्रक के आगे चलते देखा। नायडू ने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें दोनों एक चार्टर्ड विमान में बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, '' प्यार की कीमत चुकाने का जरिया दुख है। अलविदा, मेरी जीवन की रोशनी।''

यह कुत्तों के प्रति आपसी प्रेम और चिंता ही थी जो टाटा और नायडू (पुणे निवासी नायडू, जो टाटा समूह की एक कंपनी में काम कर रहा था) को करीब ले आई। नायडू ने एक आवारा कुत्ते की मौत से परेशान होकर एक 'रिफ्लेक्टिव कॉलर' बनाया गया था जिससे वाहन चालक आवारा कुत्तों को जल्दी पहचान सकें। उन्होंने टाटा को इस बारे में पत्र लिखा। टाटा ने इस पर केवल स्वीकृति ही नहीं दी, बल्कि इससे कहीं अधिक किया। नायडू को इस उद्यम के लिए टाटा से निवेश और स्थायी बांड प्राप्त हुआ। इसके बाद नायडू मास्टर डिग्री की पढ़ाई के लिए अमेरिका चले गए और वापस आने पर उन्हें आरएनटी के कार्यालय में नौकरी मिल गई, जो टाटा संस के चेयरमैन के रूप में उनके कार्यकाल के बाद उद्योगपति का निजी कार्यालय था। टाटा के लिए कई मामलों का प्रबंधन करने करने के अलावा नायडू उनके सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे।

एयर इंडिया को नए पंख देकर रतन टाटा ने पुराने सपने को किया था साकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ मुंबई/भाषा। आर्किटेक्ट की पढ़ाई करने के बावजूद विमान उड़ाने का जुनून रखने वाले दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा ने घाटे में चल रही एयर इंडिया को कई दशक बाद टाटा समूह के नियंत्रण में लाकर एक बहुत पुराने सपने को अंजाम तक पहुंचाया था।

टाटा ने यात्री विमान और लड़ाकू विमान उड़ाए लेकिन एयर इंडिया को फिर से परवाज देने की उनकी मंशा जनवरी, 2022 में ही जाकर पूरी हो पाई थी। टाटा समूह ने एयर इंडिया का नियंत्रण उसी समय सरकार से अपने हाथों में लिया था। इसके साथ ही कभी टाटा समूह की ही एयरलाइन रही एयर इंडिया की घरवापसी हो गई। इसे अंजाम देने में रतन टाटा के मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही थी।

टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा (86) का बुधवार देर शाम मुंबई में वृद्धावस्था से जुड़ी समस्याओं के कारण निधन हो गया। उनका बृहस्पतिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

पिछले ढाई वर्षों में एयर इंडिया को फिर से रफ्तार देने के लिए टाटा प्रबंधन ने कई प्रयास किए हैं। इस दौरान टाटा समूह ने अपना विमानन कारोबार को नए सिरे से पुनर्गठित करने की पहल की है। इस क्रम में अगले महीने एयर इंडिया के साथ विस्तारा का विलय होने वाला है। इसके पहले एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) का एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ विलय पूरा हो चुका है। रतन टाटा ने एयर इंडिया का अधिग्रहण पूरा होने के बाद एक संदेश में कहा था, ''टाटा समूह यात्रियों की सुविधा और सेवा के मामले में एयर इंडिया को पसंदीदा एयरलाइन बनाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्साहित है।'' वर्ष 1932 में जेआरडी टाटा ने टाटा एयरलाइन की स्थापना की थी। हालांकि, सरकार ने बाद में उसका राष्ट्रीयकरण कर उसे एयर इंडिया का नाम दे दिया था। धीरे-धीरे एयर इंडिया आर्थिक मुश्किलों में घिरती गई और उसका विनिवेश करने का फैसला किया गया।

रतन टाटा एयर इंडिया को फिर से टाटा समूह के नेतृत्व में लाने का इंतजार वर्षों से कर रहे थे। उन्होंने इस मौके का पूरा फायदा उठाया।

जेआरडी टाटा के नेतृत्व में एयर इंडिया एक समय दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित एयरलाइंस में शुमार होती थी। रतन टाटा अपनी एयरलाइन को फिर से उसी प्रतिष्ठा एवं छवि के स्तर पर ले जाना चाहते थे। अब शायद वह आसमान से इसे नई ऊंचाइयों को हासिल करते हुए देखें।

भारत की विकास यात्रा में रतन टाटा का योगदान चिरस्मरणीय रहेगा: आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बृहस्पतिवार को देश के प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक जताया और कहा कि भारत की विकास यात्रा में उनका योगदान चिरस्मरणीय रहेगा।

सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का निधन समस्त भारतवासियों के लिए अत्यंत दुःखद है। उनके निधन से भारत ने एक अमूल्य रत्न को खोया है। भारत की विकास यात्रा में रतन टाटा का योगदान चिरस्मरणीय रहेगा।'' टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। वह पिछले कुछ दिनों से ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। आरएसएस ने कहा कि रतन टाटा ने उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई व प्रभावी पहल के साथ ही कई श्रेष्ठ मानकों को स्थापित किया तथा समाज के हितों के अनुकूल सभी प्रकार के कार्यों में उनका सतत सहयोग बना रहा। संघ ने कहा कि राष्ट्र की एकात्मकता व सुरक्षा की बात हो या विकास का कोई पहलू हो अथवा कार्यरत कर्मचारियों के हित का मामला हो, रतन जी अपनी विशिष्ट सोच व कार्य से प्रेरणादायी रहे। उसने कहा, ''अनेक ऊंचाइयों को छू लेने के पश्चात भी उनकी सहजता एवं विनम्रता की शैली अनुकरणीय रहेगी। हम उनकी पावन स्मृतियों को विनम्र अभिवादन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित करते हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें, यही प्रार्थना है।'' रतन टाटा का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को सुबह 10 बजे से अपराह्न साढ़े तीन बजे तक दक्षिण मुंबई में नरीमन प्वाइंट स्थित 'राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केंद्र' में लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। उनका अंतिम संस्कार आज दिन में मुंबई के वर्ली इलाके में किया जाएगा।

यूपीआई लेनदेन की संख्या इस साल की पहली छमाही में 52 प्रतिशत बढ़ी: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में त्वरित भुगतान प्रणाली यूपीआई के जरिये होने वाले लेनदेन की संख्या वर्ष 2024 के पहले छह महीनों में सालाना आधार पर 52 प्रतिशत बढ़कर 78.97 अरब हो गई।

भुगतान प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता 'वर्ल्डलाइन' ने बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। वर्ल्डलाइन ने जनवरी-जून, 2024 के लिए तैयार अपनी रिपोर्ट में कहा कि यूपीआई भुगतान का बाजार पर दबदबा कायम है और इसकी पहुंच तेजी बढ़ रही है।

रिपोर्ट कहती है कि जनवरी, 2023 में यूपीआई लेनदेन की संख्या 8.03 अरब थी जो जून, 2024 तक बढ़कर 13.9 अरब हो गई। लेनदेन की संख्या में यह वृद्धि भुगतान मूल्य में हुई बढ़ोतरी से भी मेल खाती है। जनवरी, 2023 में 12.98 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन यूपीआई के जरिये हुआ था जो जून, 2024 में बढ़कर 20.07 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2024 की पहली छमाही की तुलना पिछले साल की समान अवधि से करने पर यूपीआई लेनदेन की संख्या में 52 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। लेनदेन की संख्या वर्ष 2023 की पहली छमाही में 51.9 अरब थी जो इस साल की समान अवधि में 78.97 अरब हो गई। इस दौरान यूपीआई लेनदेन का मूल्य 40 प्रतिशत बढ़ा है। यह 83.16 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 116.63 लाख करोड़ रुपए हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीआई लेनदेन की संख्या और मूल्य दोनों के लिहाज से फोनपे अग्रणी यूपीआई मंच के तौर पर सामने आया है जबकि गूगलपे और पेटीएम का स्थान उसके बाद आता है। हालांकि, इस साल की पहली छमाही में यूपीआई लेनदेन के औसत टिकट आकार (प्रति लेनदेन मूल्य) में आठ प्रतिशत की गिरावट देखी गई। औसत टिकट आकार पिछले साल की पहली छमाही में 1,603 रुपए था जबकि इस साल की पहली छमाही में यह 1,478 रुपए रह गया।

औसत टिकट आकार में व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) और व्यक्ति-से-दुकानदार (पी2एम) लेनदेन शामिल होते हैं।

वर्ल्डलाइन इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रमेश नरसिम्हन ने कहा, ''यूपीआई लेनदेन में यह उल्लेखनीय वृद्धि, खासकर पी2एम खंड में सूक्ष्म लेनदेन के लिए पसंदीदा तरीके के तौर पर इसकी स्थिति को मजबूत करती है। यह आने वाले वर्षों में दीर्घकालिक टिकाऊपन और बड़े लेनदेन की तरफ कदम बढ़ाने का संकेत है।''

जोखिम आकलन को लेकर सभी स्रोतों से प्राप्त सूचना का उपयोग करें बैंक: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से जोखिम आकलन को लेकर सभी स्रोतों से प्राप्त सूचना का उपयोग करने को कहा। आरबीआई ने कहा कि केंद्रीय बैंक के दायरे में आने वाली इकाइयों (बैंक, एनबीएफसी समेत अन्य) को अपने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण की पहचान करने और उस पर लगाम लगाने को लेकर उपयुक्त कदम उठाने के लिए समय-समय पर आकलन करने की जरूरत है।

भारत में प्रतिस्पर्धा पर नहीं, ग्राहकों पर दे रहे हैं ध्यान : अमेजन

(मौमिता बख्शी चटर्जी)

नैशविले (अमेरिका)/भाषा। भारत में तेजी से त्वरित कॉमर्स कंपनियों के उदय के बीच अमेजन ने कहा है कि वह प्रतिस्पर्धा पर नहीं बल्कि ग्राहकों की जरूरतों व इच्छाओं पर ध्यान दे रही है। ओटीटी मंच अमेजन प्राइम के उपाध्यक्ष जमील गनी ने कहा कि लोगों को तुरंत अच्छे विकल्प उपलब्ध कराना जीत का मंत्र है, जिसके नतीजे भारत में दिखते हैं।

गनी ने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज भारत में आर्थिक वृद्धि और डिजिटलीकरण की तीव्र गति से उत्साहित है। कंपनी अपने प्राइम कार्यक्रम को ''और भी तेज'' बनाने के लिए व्यापक स्तर पर निवेश कर रही है और यह गति जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत अमेजन के लिए अपने कारोबार के हर हिस्से में नवोन्मेषण का केंद्र है। कंपनी स्थानीय बाजारों, उभरते बाजारों और वैश्विक बाजारों के लिए भारत में नवोन्मेष करना जारी रखेगी। अमेजन 24 देशों और 20 लाख से अधिक परिवारों को 'प्राइम' सदस्यता कार्यक्रम पेश करती है और '' भारत अमेजन के लिए इस परिदृश्य में बड़ी हिस्सेदारी रखता है।''

भारत में त्वरित वाणिज्य कंपनियों के तेजी से होते उदय से उत्पन्न चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गनी ने कहा कि अमेजन का ध्यान ग्राहकों पर है, प्रतिस्पर्धा पर नहीं। उन्होंने नैशविले में अमेजन के कार्यक्रम 'डिलिवरिंग द फ्यूचर' से इतर पत्रकारों से कहा, '' प्राइम सबसे तेज गति से सबसे अधिक विकल्प पर आधारित है.... मिसाल के तौर पर हमारे पास उसी दिन 10 लाख से अधिक सामान उपलब्ध है और अगले दिन समूचे भारत में 40 लाख सामान उपलब्ध थे... भारत में उत्पादों का चयन लोगों की जरूरत और इच्छा के अनुसार किया जा रहा है.....हम इस कार्यक्रम को और भी गति देने के लिए व्यापक स्तर पर निवेश कर रहे हैं और हम पूरे देश में ऐसा करना जारी रखेंगे...'' उन्होंने कहा, ''वास्तविकता यह है कि न केवल हमारे सदस्यों के लिए बहुत सारे विकल्प हैं, बल्कि हमारे सदस्यों की अपेक्षाएं भी बढ़ती जा रही हैं। कंपनी चयन को व्यापक बनाने, तीव्र गति, अधिक सुविधाजनक बनाने और आर्कषक कीमतों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।''

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के रिश्तेदार मुरासोली सेल्वम का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक के आधिकारिक मुखपत्र 'मुरासोली' के पूर्व संपादक तथा दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरासोली मारन के भाई मुरासोली सेल्वम का बृहस्पतिवार की सुबह बेंगलूरु में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के संरक्षक एम करुणानिधि की बहन के बेटे सेल्वम 50 वर्ष से अधिक समय से मुरासोली से जुड़े थे। उन्होंने कई तमिल फिल्में भी बनाई थीं। सेल्वम ने करुणानिधि की बेटी सेल्वी से शादी की थी और वह प्रदेश के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के जीजा हैं । पार्टी की ओर से जारी एक बयान में पार्टी महासचिव दुरईमुरुगन ने सेल्वम को एक प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार बताते हुए उनकी प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने पार्टी की विचारधारा का प्रसार किया तथा हिंदी विरोधी आंदोलन में भी हिस्सा लिया।

चेन्नई प्रेस क्लब ने अपने शोक संदेश में कहा कि सेल्वम प्रेस की स्वतंत्रता के दृढ़ समर्थक थे। प्रेस क्लब ने याद किया कि 21 सितम्बर 1992 को वरिष्ठ पत्रकार सेल्वम को राज्य विधानसभा में (अन्नाद्रमुक के शासनकाल के दौरान) सदन के विशेषाधिकारों के कथित उल्लंघन के लिए विशेषाधिकार समिति के फैसले के बाद फटकार लगाई गई थी। प्रेस क्लब ने कहा कि तमिलनाडु के इतिहास में वह इस तरह की कार्रवाई का सामना करने वाले किसी दैनिक के पहले संपादक थे। क्लब ने कहा, हम मुख्यमंत्री एम के स्टालिन समेत सेल्वम के परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

उनके निधन पर शोक जताते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि सेल्वम ने बचपन से ही मुरासोली से जुड़ी जिम्मेदारियां संभाली थीं और वह इसके संपादक रहे थे। वह बेहद मृदुभाषी थे और पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि सेल्वम उनके मार्गदर्शक थे, उन्होंने पार्टी की गतिविधियों पर उन्हें सलाह दी और संकट की स्थिति में स्पष्ट समाधान निकाला।

पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई, भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के प्रमुख के सेल्वापेरुन्थगई समेत द्रमुक के सहयोगी दलों के नेताओं एवं राज्य के मंत्रियों ने सेल्वम के निधन पर शोक जताया है।

सोना तस्करी मामला

राष्ट्रपति को पत्र भेजने के लिए जानकारी जुटा रहे केरल के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह राज्य में एक हवाई अड्डे के माध्यम से बड़े पैमाने पर सोने की तस्करी को लेकर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बयान के संबंध में राष्ट्रपति को पत्र भेजने के लिए जानकारी जुटा रहे हैं। खान ने आरोप लगाया कि सोने की तस्करी राष्ट्र के खिलाफ अपराध है और मुख्यमंत्री ने राज्य में हो रही ऐसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर उन्हें अंधेरे में रखा।

राज्यपाल ने कहा, यह कोई रोजमर्रा का मुद्दा नहीं है। मुख्यमंत्री ने मुझे कभी भी इस बारे में नहीं बताया। विजयन ने खुद कहा था कि सोने की तस्करी राष्ट्र के खिलाफ अपराध है, लेकिन उन्होंने इस मामले की जानकारी मुझे नहीं दी। उन्होंने कहा, मेरे पत्र लिखने के बाद ही मुख्यमंत्री ने स्पष्टीकरण दिया और कहा कि सोने की तस्करी का मामला सीमा शुल्क देख रहा है और मुझे इस संबंध में केंद्र सरकार से बात करनी चाहिए। उन्होंने मुझे यह बात पहले कभी नहीं बताई।

खान ने कहा, अगर मुख्यमंत्री बड़े पैमाने पर सोने की तस्करी के बारे में सभी विवरण देते हैं, जो निश्चित रूप से केरल ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के खिलाफ अपराध है, तो क्या यह मेरा कर्तव्य नहीं है कि मैं इस मामले की सूचना माननीय राष्ट्रपति को दूं? मैं इस मामले की जानकारी देने के लिए बाध्य हूं, क्योंकि सरकार ने मुझे इस बारे में पूरी तरह से अंधेरे में रखा। मलप्पुरम जिले के करीपुर हवाई अड्डे के माध्यम से सोने की तस्करी के संबंध में विजयन के बयान को लेकर राज्यपाल ने कहा, मैं अभी भी कुछ और जानकारी जुटा रहा हूं। मैं खुद से कुछ भी नहीं लिखने जा रहा हूं। मैं केवल वही कह रहा हूं, जो मुख्यमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था।

खान का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब विजयन ने एक दिन पहले कहा था कि सोने की तस्करी रोकने का जिम्मा राज्य सरकार का नहीं बल्कि सीमा शुल्क विभाग का है, जो केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन काम करता है। राज्यपाल को संबोधित पत्र में मुख्यमंत्री ने उनसे यह मुद्दा केंद्र सरकार के सामने उठाने का आग्रह किया था।

विजयन ने यह पत्र खान की चिट्ठी के जवाब में लिखा था। खान ने अपनी चिट्ठी में मुख्यमंत्री पर राज्य में सोने की तस्करी से जुड़े समूहों द्वारा वित्त पोषित कथित राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के उनके अनुरोध के संबंध में चुप्पी साधने, निष्क्रियता बरतने और अत्यधिक देरी करने का आरोप लगाया था। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य से जुड़े मामलों की जानकारी राज्यपाल को देना मुख्यमंत्री का संवैधानिक कर्तव्य है, खान ने कहा कि यह रोजमर्रा का मुद्दा नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें ऐसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के बारे में सूचित नहीं किया जाना चाहिए।

खान ने कहा कि राज्य सरकार राज्यपाल को ऐसे मामलों की जानकारी देने के लिए बाध्य है। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तलब किया, तो मुख्यमंत्री ने उन्हें भेजने से इनकार कर दिया। खान ने कहा कि वह पूरी तरह से संविधान के अनुसार काम कर रहे हैं, जबकि सरकार ऐसा करने में नाकाम रही है।

केरल विधानसभा ने देश में एक साथ चुनाव कराने के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा ने बृहस्पतिवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव को मंजूरी देने के अपने फैसले को वापस ले क्योंकि यह 'अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक' है। एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव की अनुशंसा रामनाथ कोविंद पैनल द्वारा की गई है।

यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की ओर से राज्य के विधायी कार्य मंत्री एम बी राजेश ने पेश किया। राजेश ने कहा कि यह प्रस्ताव देश की संघीय प्रणाली को कमजोर करेगा और भारत के संसदीय लोकतंत्र की विविधतापूर्ण प्रकृति को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि इससे देश में विभिन्न राज्य विधानसभाओं और स्थानीय स्वशासी निकायों के कार्यकाल में भी कटौती का मार्ग प्रशस्त होगा।

राजेश ने कहा कि यह निर्णय जनादेश के उल्लंघन समतुल्य, उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए एक चुनौती, चुनाव कराने की राज्य की शक्ति को हड़पने और देश की संघीय व्यवस्था पर कब्जा करने जैसा है। उन्होंने दलील दी कि समिति लोकसभा, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को एक खर्च के रूप में देख रही है, लेकिन ऐसा करना अलोकतांत्रिक' है। राजेश ने कहा कि यह ''निंदनीय कदम'' है क्योंकि चुनाव के खर्च कम करने तथा प्रशासन को प्रभावी बनाने के लिए और भी सरल तरीके हैं।

चेन्नई डिवीजन, दक्षिण रेलवे-यात्री अनुभव में सुधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे का चेन्नई डिवीजन अपने आधुनिकीकरण प्रयासों के साथ यात्रियों के अनुभव को अगले स्तर पर ले जा रहा है। इस पहल के तहत, यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए चेन्नई डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर चरणों में 85 लिफ्ट और 9 एस्केलेटर लगाए जा रहे हैं।

दक्षिण रेलवे के 11 रेलवे स्टेशनों सुल्लुरुपेटा, गुइंडी, गुम्मिडिपुंडी, अराक्कोनम, माम्बलम, चेंगलपट्टू, चेन्नई पार्क, मेलमारुवथुर, व्यासरपाडी जीवा, हिंदू कॉलेज और कोडंबक्कम में लिफ्ट लगाने का कार्य प्रगतिशील है। वहीं 22 लिफ्ट जल्द ही चालू की जाएंगी। पेराम्बूर, वाशरमैनपेट, चेटपेट और ताम्बरम सेनिटोरियम में लिफ्ट का कार्य प्रगति पर है, जिसका नवंबर 2024 तक पूरा होने का लक्ष्य है। दक्षिण रेलवे ने 19 रेलवे स्टेशनों पर 58 लिफ्टों के लिए ठेका दिया गया है।

एस्केलेटर : अवाडी व चेंगलपट्टू रेलवे स्टेशनों पर एस्केलेटर स्थापना कार्य नवंबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और गिण्डी में 03 एस्केलेटर तथा माम्बलम और अरकोनम रेलवे स्टेशनों पर 01-01 एस्केलेटर का कार्य अप्रैल 2025 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। इन उन्नयनों के अतिरिक्त, चेन्नई एग्मोर पुनर्विकास परियोजना में 35 लिफ्ट और 24 एस्केलेटर शामिल हैं, तथा ताम्बरम रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण में 09 लिफ्ट और 10 एस्केलेटर शामिल हैं। इन उन्नयनों से दस लाख से अधिक दैनिक यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों और चिकित्सा आवश्यकताओं वाले यात्रियों को लाभ मिलेगा, जो कि बुनियादी ढांचे के उन्नयन और निर्बाध यात्रा अनुभव के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

मादक पदार्थ मामला : तेलंगाना पुलिस ने अभिनेता श्रीनाथ भासी से कई घंटों तक पूछताछ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कोच्चि में एक आलीशान होटल में एक कुख्यात गैंगस्टर और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद सामने आए मादक पदार्थ के मामले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को अभिनेता श्रीनाथ भासी से कई घंटों तक पूछताछ की। गैंगस्टर ओम प्रकाश की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में भासी का नाम सामने आया था। पूछताछ के लिए तलब किए जाने के बाद भासी सुबह पुलिस के समक्ष पेश हुए। उनके अलावा, अभिनेता प्रयाग मार्टिन को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

मरदु पुलिस द्वारा पेश की गई हिरासत आवेदन रिपोर्ट' में दोनों के नाम का उल्लेख किया गया था। मार्टिन के परिवार ने मामले में उनकी संलिप्तता से इनकार किया है, जबकि भासी ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पुलिस को होटल के कक्ष में कुछ संदिग्ध नशीले पदार्थ होने की सूचना मिली थी, जिन्हें जांच के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेज दिया गया। स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम सहित विभिन्न कानूनों के तहत मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। कई आपराधिक मामलों में संलिप्त प्रकाश को अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में उसके सहयोगियों के साथ मरदु होटल से गिरफ्तार किया गया था। मरदु पुलिस के अनुसार, उन्हें गोपनीय सूचना मिली थी कि आरोपी विदेश से कोकीन जैसे पदार्थ खरीदकर शहर में आयोजित डीजे पार्टी में वितरित कर रहे थे। पुलिस की खुफिया शाखा आरोपियों पर नजर रखे हुई थी। पुलिस के अनुसार, पहचान छिपाने के मकसद से प्रकाश ने किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर होटल में कमरा बुक किया था। विस्तृत जांच से पता चला कि अभिनेता भासी और अभिनेत्री मार्टिन सहित 20 से अधिक लोग होटल में प्रकाश से मिलने आए थे।पुलिस ने बताया कि प्रकाश 30 से अधिक आपराधिक मामलों में संलिप्त है। पुलिस रिपोर्ट में भासी और मार्टिन के नाम ऐसे समय में शामिल किए गए हैं जब मलयालम फिल्म उद्योग में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग एवं अभिनेत्रियों के यौन उत्पीड़न सहित दुर्व्यवहार के आरोप फिर से सामने आए हैं। न्यायमूर्ति के. हेमा समिति की रिपोर्ट का हिस्सा रहे इन खुलासों से हाल में राज्य में काफी हंगामा मचा।

चेन्नई हवाई अड्डे पर एयर कस्टम्स ने 1.02 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान जब्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई एयर कस्टम्स अधिकारियों ने 08 अक्टूबर, 2024 को अन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1.02 करोड़ रुपये मूल्य के तस्करी के सामान की एक बड़ी जब्ती की। इस जब्ती में 700 ग्राम 24के सोने की चेन, 3220 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और 4 आईफोन 16प्रो 256जीबी डिवाइस शामिल थे।

डीआरआई द्वारा विकसित विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, कुआलालंपुर से चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे 04 यात्रियों को एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने रोका। उनकी जांच और सामान की तलाशी लेने पर, उनके अंतःवस्त्र में छुपा कर रखी गई 24 कैरेट शुद्धता की कुल 700 ग्राम वजन की 02 सोने की चेन पाई गईं और उनके सामान में छुपा कर रखी गई 3220 मिश्रित स्वादों की ई-सिगरेट और 4 आई-फोन 16 प्रो 256 जीबी डिवाइस पाई गईं। बरामद की गई 24 कैरेट सोने की 02 चेन, 3220 मिश्रित स्वादों की ई-सिगरेट और 4 आई-फोन 16 प्रो 256 जीबी का कुल मूल्य 1.02 करोड़ रुपये है। इन्हें सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत जब्त कर लिया गया।

रतन टाटा मेरे लिए आदर्श थे : इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आईटी उद्योग के दिग्गज एवं इन्फोसिस के सह-संस्थापक एन. आर. नारायणमूर्ति ने बृहस्पतिवार को कहा कि अपने प्रिय मित्र, टाटा संस के मानद अध्यक्ष रतन टाटा को खोना उनके लिए बहुत 'पीड़ादायक' है। उन्होंने कहा कि टाटा मूल्य आधारित नेतृत्व के संदर्भ में उनके 'आदर्श' थे।

मूर्ति (78) ने कहा, ''जब भी मुझे नैतिक मुद्दों पर कुछ असमंजस, अस्पष्टता या भ्रम होता था, उस वक्त वह (टाटा) वास्तव में मेरे लिए एक नैतिक मार्गदर्शक होते थे।'' वर्ष 2020 में एक कार्यक्रम के दौरान टाटा को सम्मानित करते समय, सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में दिग्गज उद्योगपति मूर्ति ने उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया था। मूर्ति ने अपने शोक संदेश में कहा, रतन जैसे प्रिय मित्र को खोना बहुत दुखद है। रतन मेरे लिए मूल्य-आधारित नेतृत्व के संदर्भ में मेरे 'आदर्श' थे। टाटा (86) का मुंबई में वृद्धावस्था संबंधी समस्याओं के चलते बुधवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया।

रेलवे दीपावली त्यौहार के लिए विशेष रेलगाड़ियाँ चलाएगा

हुब्बल्ली/बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे दीपावली त्यौहार के दौरान अपेक्षित यात्री यातायात में वृद्धि को समायोजित करने के लिए एसएसएस हुब्बल्ली-योग नगरी ऋषिकेश (उत्तराखंड) और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु-भगत की कोठी स्टेशनों के बीच विशेष रेलगाड़ियाँ चलाएगा।

ट्रेन संख्या 07363 एसएसएस हुब्बल्ली-योग नगरी ऋषिकेश साप्ताहिक विशेष एक्सप्रेस 14 अक्टूबर से 4 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को 20:30 बजे एसएसएस हुब्बल्ली से प्रस्थान करेगी और बुधवार को 23:30 बजे योग नगरी ऋषिकेश पहुँचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 07364 योग नगरी ऋषिकेश-एसएसएस हुब्बल्ली साप्ताहिक स्पेशल एक्सप्रेस 17 अक्टूबर से 7 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को योग नगरी ऋषिकेश से 06:15 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06:30 बजे एसएसएस हुब्बल्ली पहुंचेगी।

ट्रेन दोनों दिशाओं में मार्ग में धारवाड़, लोंडा, बेलगावी, घाटप्रभा, मिराज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड जंक्शन, भुसावल जंक्शन, हरदा, इटारसी जंक्शन, रानी कमलापति, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी रेलवे स्टेशन, ग्वालियर जंक्शन, आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, हज़रत निज़ामुद्दीन जंक्शन, गाजियाबाद जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मुजफ्फरनगर बैंड, टपरी जं., रूड़की और हरिद्वार स्टेशनों पर रुकेगी। इस विशेष ट्रेन में 16 कोच होंगे, जिसमें एक एसी-2 टियर, चार एसी-3 टियर, नौ स्लीपर क्लास कोच, एक एसएलआरडी और एक गार्ड ब्रेक वैन और जेनरेटर कार शामिल हैं।

ट्रेन संख्या 06587 एसएमवीटी बेंगलूरु-भगत की कोठी एक्सप्रेस स्पेशल 25 और 30 अक्टूबर को 17:45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और तीसरे दिन 12:45 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 06588 भगत की कोठी-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 28 अक्टूबर और 2 नवंबर को भगत की कोठी से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी।

ट्रेन दोनों दिशाओं में मार्ग में बनासवाड़ी, तुमकुरु, अरसीकेरे, बिरूर, दावणगेरे, हरिहर, हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली, धारवाड़, लोंडा, बेलगावी, घाटप्रभा, मिराज, सांगली, सतारा, पुणे, लोनावाला, कल्याण, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा जंक्शन, अहमदाबाद जंक्शन, महेसाणा जंक्शन, पालनपुर जंक्शन, आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, मारवाड़ जंक्शन, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशन पर रुकेगी। इस विशेष ट्रेन में 21 कोच होंगे, जिनमें 4 एसी-2 टियर, 15 एसी-3 टियर और 2 ब्रेक वैन और जनरेटर कार शामिल हैं। यात्री आधिकारिक वेबसाइट (www.enquiry.indianrail.gov.in) पर जाकर, एनटीईएस ऐप का उपयोग करके या 139 डायल करके ट्रेन का समय जान सकते हैं।

प्ले स्कूल की शिक्षिका बच्चे को छड़ी से पीटने के आरोप में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के कोच्चि के निकट मट्टनचेरी के पास एक प्ले स्कूल की शिक्षिका को साढ़े तीन वर्षीय के बच्चे को छड़ी से बुरी तरह पीटने के आरोप में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118 (जानबूझकर खतरनाक हथियार या साधन से चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना) और किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 (बच्चे के साथ क्रूरता) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मट्टनचेरी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जब बच्चे ने स्कूल जाने से मना किया तो उसके परिजन ने इसका कारण पूछा जिस पर बच्चे ने पिटाई का खुलासा किया। एक अधिकारी ने बताया, बच्चे की पीठ पर निशान थे। शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के कार्यालय के पते में परिवर्तन की सूचना

ईपीएफओ अपने नए कार्यालय परिसर में स्थानांतरित हो गया है। कार्यालय का पता नीचे दिया गया है:

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय)
प्लेट ए, ग्राउंड फ्लोर
ऑफिस ब्लॉक -II
ईस्ट किदवई नगर
नई दिल्ली - 110023

प्राधिकारी से ऊपर बताए गए नए पते पर संपर्क किया जा सकता है। यह ईपीएफओ के सभी स्टेकहोल्डरों तथा सर्व-साधारण की जानकारी के लिए है।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त
प्रशासन विभाग (प्र. से. प्र.)

कृपया हमारी वेबसाइट देखें
वेबसाइट : www.epfindia.gov.in, www.epfindia.nic.in

CBC 23109/12/0001/2425

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से राजस्थान में उद्योगों को एक नई दिशा मिलेगी तथा सभी के सहयोग से इस समिट को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश का सकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान के संबंध में आर्थिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में विपुल प्राकृतिक संसाधन की उपलब्धता के चलते निवेश की अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के एमओयू धरातल पर नहीं उतरे। हमने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट करने का निर्णय लिया है जिससे प्रदेश उद्योगों के क्षेत्र में अग्रणी बन सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीए-सीएस सहित अन्य प्रोफेशनल्स राज्य की बड़ी ताकत हैं। इन प्रोफेशनल्स की विश्वसनीयता रहती है तथा ये सरकार व उद्यमियों के हित में काम करते हैं। उन्होंने आशा जताई कि प्रोफेशनल्स राज्य को निवेश का हब बनाने तथा अधिक से अधिक निवेश लाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे। शर्मा ने कहा कि राजस्थान के सीए और सीएस अपनी काबिलियत के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थानी जहां भी रहते हैं, खुशहाली लाते हैं, आगे बढ़ते हैं और सभी को आगे बढ़ाते हैं। राजस्थानी प्रत्येक जगह पर अपनी कर्मठता से पहचान बनाते हैं।

शर्मा ने कहा कि बिजली, पानी तथा आधारभूत संरचना का योजनाबद्ध तरीके से विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार ने बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जो हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क और नौ ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेस वे विकसित करने की योजना भी बनाई गई है, जिनसे निवेशकों को और अधिक अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र भी प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने के लिए हमारी टीम दिन-रात काम में जुटी हुई है। हमने नवनियुक्त आईएएस ऑफिसर को आयोजन के लिए नियुक्त किया है। साथ ही, देशभर में राजस्थान मूल के आईएएस अफसर, भूतपूर्व आईएएस अफसरों सहित सभी वर्गों से भी इस आयोजन को सफल बनाने को लेकर चर्चा की जा रही है। बैठक में आए उद्योगपतियों एवं प्रोफेशनल्स ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ाने के लिए हम सभी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहभागिता करेंगे तथा आयोजन को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश लाने में पूरा सहयोग करेंगे। उद्योगपतियों ने युवाओं में उद्योग परक कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने, फिनटेक को प्रोत्साहित करने, निवेश को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग, स्टार्ट अप को प्रमोट करने, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए। इस दौरान खनन, रियल एस्टेट, हैंडीक्राफ्ट, सीए, मेडिकल डिवाइस, शिक्षा, फर्नीचर सहित विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपतियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक में मशहूर उद्योगपति टाटा समूह के चेयरमैन स्व. रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, जीनस पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के चेयरमैन आई सी अग्रवाल, एआरजी ग्रुप के चेयरमैन आत्मा राम गुप्ता, सीएस इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्याम अग्रवाल, सीए इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गोयल, गोलचा ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन विक्रम गोलचा, महर्षि अरविंद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर संजय पाराशर, पॉली मेडिकेयर के अध्यक्ष विशाल बैद, मर्चेन्ट बैंकर अशोक होलानी, सीए नरेन्द्र मित्तल, सीए प्रकाश शर्मा, सीए पीपी पारीक सहित विभिन्न उद्योगपति एवं सीए-सीएस मौजूद रहे।

'रीट' परीक्षा जनवरी में कराए जाने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में अध्यापक भर्ती पात्रता परीक्षा (रीट) अगले वर्ष जनवरी में कराए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, रीट परीक्षा की तैयारियों को लेकर बृहस्पतिवार को यहां शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बयान के अनुसार, अध्यापक स्तर-1 एवं स्तर-2 की पात्रता के लिए रीट परीक्षा का शुल्क पूर्ववत ही रहेगा और परीक्षा आयोजन के लिए नोडल एजेंसी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान रहेगा।

बयान में बताया गया कि परीक्षा उत्तीर्ण के लिए न्यूनतम अंक अपडेट करने तथा परीक्षा में पांचवां विकल्प भी शामिल करने का निर्णय किया गया। परीक्षा की संभावित तिथि जनवरी 2025 के दूसरे पखवाड़े में होगी। बैठक में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी, प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के सचिव कैलाश चन्द शर्मा तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बीएसएफ महानिदेशक दलजीत चौधरी जैसलमेर सीमा के दौरे पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक दलजीत सिंह ने बृहस्पतिवार को राजस्थान के जैसलमेर में स्थित प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर में पूजा की। सिंह दो दिन के अधिकारिक दौरे पर जैसलमेर पहुंचे हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, महानिदेशक (सीमांत मुख्यालय-राजस्थान) एमएल गर्ग के साथ सिंह तनोट माता मंदिर के प्रांगण में पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

यहां सीमा सुरक्षा बल की विशेष गार्ड द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। सिंह ने बाद में बल के अधिकारियों से मुलाकात कर जैसलमेर की अंतरराष्ट्रीय सीमा की सामरिक सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विचार-विमर्श किया और सीमा पर्यटन के अन्तर्गत चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए और सीमा सुरक्षा बल को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक के प्रयोग करने पर जोर दिया एवं बल में चल रही तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया। बयान के अनुसार, सिंह ने सीमा पर विषम परिस्थितियों में निरंतर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे सीमा सुरक्षा बल के जवानों की हौसला अफजाई की।

भेंट

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। अधिकारियों ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। राजभवन से जारी एक बयान के अनुसार, शर्मा ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल बागडे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके अनुसार, शर्मा की राज्यपाल से यह शिष्टाचार भेंट थी।

युवा पीढ़ी अपनाए स्वस्थ व संतुलित जीवनशैली : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को अपने राजकीय आवास पर मानसिक स्वास्थ्य तथा नशा मुक्ति से सम्बंधित पोस्टर का विमोचन किया। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भागदौड़ भरी जीवनशैली से बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक अवसाद सहित विभिन्न मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी अच्छे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाए। पोस्टर विमोचन के अवसर पर मनोचिकित्सा केंद्र जयपुर के अधीक्षक डॉ. ललित बत्रा, सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय में मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक त्यागी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सांवरमल स्वामी, उप अधीक्षक डॉ. सुनील शर्मा, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. राजेश शर्मा एवं वरिष्ठ आचार्य डॉ. योगेश सतीजा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय से स्टेच्यू सर्किल तक मेंटल हैल्थ रन का भी आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने मेंटल हैल्थ रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें लगभग 200 लोगों ने भाग लिया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य भवन में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस वीसी से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित ब्लॉक स्तर तक के अधिकारी जुड़े। निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत राणावत ने कहा कि व्यक्ति को हमेशा प्रसन्नचित रहना चाहिए और जो समय हमें मिला है उसे जिंदादिली के साथ जीना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। राज्य नोडल अधिकारी राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. एस.एम. स्वामी ने प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्यक्रम की प्रगति एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी। वीसी में गृह विभाग, पुलिस संबंधित विभागों के प्रतिनिधिगण एवं डवलपमेंट पार्टनर यूनिसेफ और एसआरकेपीएस के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

हरियाणा चुनाव के परिणामों का असर राजस्थान पर नहीं : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव के परिणामों का असर राजस्थान में होने वाले उपचुनावों पर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उपचुनाव में सभी सीट पर मजबूती से लड़ेगी और जीतेगी। उन्होंने अजमेर में संवाददाताओं से कहा, राजस्थान में होने वाले उपचुनाव में सभी सीट पर कांग्रेस जीतेगी। हम लोगों ने बहुत पहले से अपनी तैयारी कर रखी है।

कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि हरियाणा के चुनाव का बहुत ज्यादा प्रभाव इन उपचुनावों पर पड़ेगा क्योंकि अलग राज्य है। अलग परिस्थिति में यह उपचुनाव हो रहा है। मैं समझता हूं सात सीट पर उपचुनाव होगा और सभी सीट पर कांग्रेस मजबूती से लड़ेगी और जीतेगी यह मैं आपको विश्वास के साथ कह सकता हूं। पायलट ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का वोट 'शेयर' बढ़ा है और मैं समझता हूं कि जितने वोट भाजपा को मिले उतने ही हम लोगों को मिले तो हमारा वोट बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि कांग्रेस का मत प्रतिशत घटा है लेकिन इसका कोई नकारात्मक प्रभाव बाकी राज्यों मे पड़ेगा ऐसा मैं नहीं मानता क्योंकि महाराष्ट्र में एक मजबूत गठबंधन पहले से है और झारखंड में भी गठबंधन काफी मजबूत है।

दशहरा महोत्सव आयोजन में मुख्य अतिथि होंगे भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को राजधानी जयपुर में प्रदेश का बड़ा दशहरा महोत्सव आयोजित किया जायेगा।

राम मंदिर प्रन्यास, सनातन धर्म सभा के तत्वावधान में यह दशहरा महोत्सव आदर्श नगर के दशहरा मैदान में आयोजित होगा। सभा के महामंत्री अनिल खुराना ने बताया कि इस बार रावण का विशालकाय पुतला 105 फीट का और कुंभकर्ण का पुतला 90 फीट का बनाया गया है। अध्यक्ष हरचरण लेकर ने बताया कि सभा के द्वारा सन 1956 से दशहरा महोत्सव मनाया जा रहा है। इस बार के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री शर्मा होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद मंजू शर्मा करेंगी। इसमें विशिष्ट अतिथि महापौर सौम्या गुर्जर और कुसुम यादव, विधायक कालीचरण सराफ और रफीक खान होंगे। विशेष आमंत्रित समाजसेवी विवेक लड्ढा ,भाजपा नेता अशोक परनामी, सरदार अजय पाल सिंह एवं रवि नय्यर होंगे। क्षेत्रीय पार्षद स्वाति परनामी ,ऋतु मोतियानी ,नीरज अग्रवाल भी शामिल होंगे।

संयोजक राजीव मनचंदा ने बताया कि इस बार आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया है। आतिशबाजी में नियाग्रा फॉल के जैसा नज़ारा होगा। रंगीन झरने बहेंगे ।

सन्तवाणी सुनने के लिए सपरिवार आएं जिससे भौतिकतावादी युग में तनाव कम होगा : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को दिगम्बर जैन 1008 चन्द्रप्रभ मंदिर, जयपुर में दीक्षा दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने मुनि अर्चित सागर को कोटि-कोटि नमन किया। हम लोगों को मुनि के मार्ग पर चलने का प्रयास करना होगा। दीक्षा वास्तव में सारी सांसारिक इच्छाओं के त्याग का परिचायक है। दीक्षा में सत्य के पालन करने के लिए पांच महामंत्रों का उल्लेख किया है। जिसके अंतर्गत अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह व चोरी ना करना है। आज के भौतिकवादी युग में इस तरह के जीवन को अपनाना अपने आप में अनोखा है। मुनियों का आशीर्वाद वास्तव में तपस्वी जीवन की प्रेरणा देता है। जिस भौतिकवादी युग में हम जी रहे हैं, उसमें तपस्या के पराक्रम की कल्पना करना ही कठिन है। आवश्यकता से अधिक धन नहीं रखने के नियम की जीवन में पालन करना बहुत ही कठिन है, लेकिन इसका पालन करना गर्व का विषय है। तनाव समस्याओं की जड़ है। तनाव नहीं करने के लिए साधना करने की आवश्यकता है। देवनानी ने कहा कि समस्याओं का समाधान आत्म शांति है। अहिंसा का पालन हम सब लोगों को करना चाहिए और उसे ग्रहस्थ जीवन में पालन करें।

दो माह में प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों के भवनों का किया जाए निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों के भवनों की स्थिति का निरीक्षण कर समेकित प्लान बनाते हुए योजनाबद्ध रूप से मरम्मत एवं अन्य मेंटीनेंस कार्य करवाए जाएंगे तथा आवश्यक सुरक्षात्मक कदम उठाए जाएंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरूवार को जनाना अस्पताल के निरीक्षण के उपरांत स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री ने बैठक में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों के विभिन्न विषयों पर समीक्षा करते हुए कहा कि रोगियों, परिजनों एवं स्वास्थ्य कार्मिकों की सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल भवनों का समयसमय पर मेंटीनेंस आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित अभियंताओं के माध्यम से आगामी दो माह में सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों के भवनों का निरीक्षण करवाकर रिपोर्ट प्राप्त की जाए। जहां भी भवन की स्थिति मानकों के अनुरूप नहीं हैं, भवन पुराना है और मरम्मत एवं मेंटीनेंस की आवश्यकता है, उसके बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए।

खींवसर ने कहा कि मेंटीनेंस कार्य टुकड़ोंटुकडों में करवाने के स्थान पर एकीकृत प्लान तैयार करें, ताकि पूरे अस्पताल में आवश्यक मेंटीनेंस कार्य एक साथ करवाए जा सकें और कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो सकें। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि तात्कालिक मेंटीनेंस संबंधी कार्य आरएमआरएम में उपलब्ध राशि का समुचित उपयोग करते हुए तुरंत प्रभाव से करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन भी भवन की स्थिति की नियमित रूप से निगरानी रखे। कहीं भी खतरे की आशंका हो तो तुरंत प्रभाव से उस स्थान को खाली करवाकर दुरूस्त करवाएं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंता भी उनके क्षेत्राधिकार से संबंधित भवनों की स्थिति का समयसमय पर निरीक्षण करें। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि अस्पताल भवनों के मेंटीनेंस एवं अन्य विषयों को लेकर नियमित रूप से अंतरविभागीय बैठक आयोजित की जाए। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी जल्द मेंटीनेंस के प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या, भाई घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में बुधवार रात को पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने एक युवक पर लाठी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने युवक के भाई पर भी हमला किया, जिसमें वह घायल हो गया।

थानाधिकारी उदय चंद ने बताया कि जितेन्द्र जाटव खनवा गांव आंबेडकर पार्क के पास में फास्ट फूड का ठेला लगाता था और विवाद उस समय हुआ जब उसने आरोपियों से चाऊमीन के बकाया पैसे मांगे, जिसपर कुछ लोगों के एक समूह ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल जितेन्द्र जाटव को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि इस दौरान उसका छोटा भाई गोपाल (32) भी हमले में घायल हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार और कुछ स्थानीय लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार रात भरतपुर धौलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग कुछ देर के लिए जाम कर दिया और शव लेने से इनकार कर दिया।

चंद ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में पीड़ित परिवार की ओर से मुख्य आरोपी सतीश और चार महिलाओं सहित नौ लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और अन्य आरोपियों की तलाश की जारी है।

भाजपा पश्चिम बंगाल में हो रहे अन्याय से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध : नड्डा

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में हो रहे अन्याय से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचने के बाद यह बात कही। कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक से बलात्कार-हत्या के मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। नड्डा एक दिवसीय यात्रा के लिए पूर्वाह्न करीब 11 बजे कोलकाता पहुंचे। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी भी उनके साथ थे। पहले वह सप्तमी के अवसर पर हावड़ा में रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ पहुंचे। वहां से वह संतोष मित्रा चौक पूजा कमेटी के पंडाल पहुंचे, जिसके प्रमुख भाजपा के नेता सजल घोष हैं।

लास वेगास क्षेत्र की तर्ज पर बनाए गए पंडाल में देवी दुर्गा के समक्ष प्रार्थना करने के बाद नड्डा ने पश्चिम बंगाल में अन्याय से लड़ने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, दुर्गा पूजा हमें नया जोश और तब तक अन्याय के खिलाफ लड़ने की नई ऊर्जा देती है, जब तक कि सत्य और न्याय की जीत न हो जाए। नड्डा ने दुर्गा पूजा के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और इस त्योहार के सांस्कृतिक महत्व तथा अन्याय से लड़ने की भावना को पुनर्जीवित करने में इसके महत्व को रेखांकित किया। बाद में, वह बांग्ला को शास्त्रीय भाषा घोषित करने के केंद्र के फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने के सिलसिले में आयोजित की गई गणमान्य हस्तियों की एक बैठक में भाग लेंगे।

ज्ञानवापी परिसर के सर्वे की याचिका पर हिंदू पक्ष ने दाखिल किया जवाब, 16 अक्टूबर को अगली सुनवाई

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराने का आदेश देने संबंधी याचिका पर बृहस्पतिवार को हिंदू पक्ष के वकीलों ने अपना जवाब दाखिल किया, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर के लिए निर्धारित कर दी गयी।

हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने बताया कि दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) युगुल शंभू के समक्ष अपनी दलील में उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में एएसआई द्वारा किया गया सर्वेक्षण अधूरा है और एएसआई बिना खुदाई के सही रिपोर्ट नहीं दे सकती लिहाजा एएसआई को ज्ञानवापी में खुदाई करेने और पूरे ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया जाना चाहिए।

इससे पहले, गत आठ अक्टूबर को अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने याचिका पर अपनी दलीलें पेश की थीं। कमेटी के वकीलों ने कहा था कि जब हिंदू पक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में मामले को उठाने की अपील की है तो अधीनस्थ न्यायालय में इस मामले पर बहस करने का कोई औचित्य नहीं है। मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने यह भी दलील दी थी कि जब ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वेक्षण एक बार पहले ही हो चुका है तो दूसरा सर्वेक्षण करने का कोई औचित्य नहीं है।

मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि सर्वेक्षण के लिए मस्जिद परिसर में गड्ढा खोदना किसी भी तरह से व्यावहारिक नहीं होगा और इससे मस्जिद को नुकसान हो सकता है।

हॉकी इंडिया लीग नीलामी में 1000 से अधिक खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

नई दिल्ली/भाषा। हॉकी इंडिया लीग के लिए 13 से 15 अक्टूबर को यहां होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी में 1000 से अधिक भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। यह लीग सात साल बाद वापसी कर रही है जिसमें पहली बार पुरूषों के साथ महिलाओं की लीग भी खेली जायेगी। हॉकी इंडिया ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरूष वर्ग में आठ टीमों की स्पर्धा के लिए नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को होगी जबकि पहली महिला लीग के लिए 15 अक्टूबर को नीलामी होगी।

इसमें कहा गया,'' इस नीलामी के जरिये विश्व की सबसे रोमांचक हॉकी स्पर्धाओं में से एक हॉकी इंडिया लीग ही बहाल नहीं हो रही बल्कि भारत में महिला हॉकी को बढावा देने की दिशा में भी यह बड़ा कदम है।'' दोनों नीलामियों के लिए 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पुरूष वर्ग में 400 से अधिक रजिस्टर्ड खिलाड़ी भारतीय हैं जबकि 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग में 250 भारतीय और 70 विदेशी खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को तीन बेसप्राइज वर्ग दो लाख, पांच लाख और दस लाख रुपए में रखा गया है।

ज्ञान, विज्ञान और तकनीक भारत के डीएनए में है : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीक भारत के डीएनए में है तथा अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि युवाओं की बदौलत आने वाला समय निश्चित रूप से भारत का ही होगा। आदित्यनाथ ने कहा, ज्ञान, विज्ञान और तकनीक भारत के डीएनए में है और अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं तो सफलता उनके कदम चूमेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा, हमें ऐसी तकनीक पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे। ऐसी तकनीक पर ध्यान देने की आवश्यकता है जो प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर विकास को नई ऊंचाई पर ले जाए।''

आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोजगार का बड़ा केंद्र बन रहा है। उत्तर प्रदेश वर्तमान तकनीक दौर की महत्वपूर्ण जरूरत सेमी कंडक्टर का केंद्र बनने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1956 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने पहला पॉलिटेक्निक शुरू किया था और आज महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक प्रदेश के टॉप पोलिटेक्निक संस्थानों में से एक है।

आदित्यनाथ ने कहा कि इसी प्रेरणा से हमें महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) को आने वाले पांच वर्ष में प्रदेश का शीर्ष संस्थान बनाना है, जिसके लिए जरूरी है कि संस्था को उद्योगों से जोड़ा जाए और युवाओं को कार्यकुशल बनाया जाए।

मोदी सरकार पर 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इतना ही नहीं नीतिगत निर्णय लेने में जो शिथिलता थी, उसे भी समाप्त किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदला गया।

शाह ने यहां उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सालाना सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों के कारण भारत दुनिया के सर्वाधिक विकसित देशों में से एक के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने (2014 से) कार्यभार संभाला है, सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य बातों के अलावा बुनियादी ढांचा बेहतर हुआ, संपर्क सुविधा अच्छी हुई, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का विस्तार हुआ व सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हुई है। शाह ने 'विकसित भारत एट 2047: प्रगति के शिखर की ओर' विषय पर आयोजित सत्र में कहा, ''हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस अवधि के दौरान, हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इसे विपक्ष ने भी स्वीकार किया है।'' गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल में मोदी सरकार ने आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को जमीन के 200 गज नीचे दफना दिया है। जब मोदी ने सत्ता संभाली, तो नीतिगत निर्णय और क्रियान्वयन को लेकर शिथिलता की स्थिति थी जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक उपायों के साथ समाप्त किया गया। सरकार ने इसे 'प्रदर्शन की नीति' से बदल दिया।

पूर्वोत्तर आसियान का प्रवेश द्वार, प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा नहीं किया: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लाओस यात्रा की पृष्ठभूमि में बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वोत्तर आसियान का प्रवेश द्वार है, लेकिन उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए बृहस्पतिवार को दो दिवसीय यात्रा पर लाओस पहुंचे।

लाओस जनवादी लोकतान्त्रिक गणराज्य (लाओ पीडीआर) के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफनाडोन के निमंत्रण पर मोदी देश की दो दिवसीय यात्रा पर हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इस बात को बार-बार कहने की जरूरत है। प्रधानमंत्री लाओस के लिए रवाना हो गए हैं। वह निश्चित रूप से भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के बारे में अधिक बात करेंगे जिसके बारे में कहा जाता है कि 2014 में शुरू हुई है। लेकिन भारत की 'लुक ईस्ट' नीति उससे लगभग दो दशक पहले से ही अस्तित्व में थी।'' उन्होंने कहा कि 'आसियान' के लिए भारत का प्रवेश द्वार हमारा पूर्वोत्तर है।

रमेश ने सवाल कि नरेन्द्र मोदी लगातार उस अशांत राज्य मणिपुर का दौरा करने से क्यों इनकार कर रहे हैं जो मई 2023 से हिंसा की आग में जल रहा है?

इल्तिजा ने नेशनल कांफ्रेंस और माकपा पर चुनाव में जीत के बाद गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगुफवाड़ा-बिजबेहरा से नेशनल कांफ्रेस के निर्वाचित विधायक (बशीर वीरी) गुंडागर्दी में शामिल हैं। उनके कार्यकर्ता पीडीपी कार्यकर्ताओं के घरों की बाहरी दीवारों को क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। पीडीपी कार्यकर्ता की एक जगह को भी आग लगा दी गई। मैं उमर अब्दुल्ला से पूछती हूं कि क्या यह भारी बहुमत इसलिए मिला है।

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने आरोप लगाया कि नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत के बाद गुंडागर्दी में लिप्त हैं।

पीडीपी की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेशनल कांफ्रेंस को जीत और पर्टी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को पार्टी का विधायक दल का नेता चुने जाने की बधाई दी, लेकिन साथ ही सवाल किया कि भारी बहुमत क्या गुंदागर्दी करने और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के लिए मिला है।

उन्होंने कहा, श्रीगुफवाड़ा-बिजबेहरा से नेशनल कांफ्रेस के निर्वाचित विधायक (बशीर वीरी) गुंडागर्दी में शामिल हैं। उनके कार्यकर्ता पीडीपी कार्यकर्ताओं के घरों की बाहरी दीवारों को क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। पीडीपी कार्यकर्ता की एक जगह को भी आग लगा दी गई। मैं उमर अब्दुल्ला से पूछती हूं कि क्या यह भारी बहुमत इसलिए मिला है। हाल में संपन्न जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में इल्तिजा मुफ्ती को वीरी सीट से हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल कांफ्रेंस के कार्यकर्ता पीडीपी की महिलाओं को परेशान कर रहे हैं और उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप मुझे या महबूबा मुफ्ती को गाली देंगे तो मुझे बुरा नहीं लगेगा, लेकिन हमारे कार्यकर्ताओं को न छेड़ें। वरना हम कार्रवाई करेंगे। इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि वह बिजबेहरा के लोगों को लेकर चिंतित हैं क्योंकि उन्होंने गलत विधायक चुना है। उन्होंने कहा, सिर्फ बिजबेहरा में ही नहीं, नेशनल कांफ्रेस डीएच पोरा निर्वाचन क्षेत्र में भी इसी तरह का व्यवहार कर रही है। माकपा कुलगाम में जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के खिलाफ भी ऐसा ही कर रही है। नेकां गुंडागर्दी और 'गुंडा राज' के लिए जानी जाती है। वे वही कर रहे हैं जो वे 30-40 साल पहले करते थे।

स्मृति और मैं पूर्व निर्धारित योजना के साथ नहीं उतरते, इससे मदद मिली : शेफाली

दुबई/भाषा। भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि वह और उनकी सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना किसी विशेष प्रकार की गेंदबाजी के लिए मैदान पर पूर्व निर्धारित योजना के साथ मैच में नहीं उतरतीं जिससे उन्हें सफलता हासिल करने में मदद मिली है।

इन दोनों ने बुधवार को श्रीलंका पर भारत की 82 रन की शानदार जीत के दौरान 98 रन की साझेदारी की। मंधाना ने 50 रन की अपनी पारी के दौरान स्पिनरों को निशाना बनाया क्योंकि पहले वह आमतौर पर स्पिनरों को खेलने के लिए शेफाली पर निर्भर रहती थी।

शेफाली ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''जैसा कि आपने कहा कि हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। अब हम पहले से तय नहीं रहते। जो भी उस दिन गेंद से बल्ला अच्छी तरह कनेक्ट कर रहा होता है तो हम उसे ज्यादा गेंद खेलने देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''अभी वह स्पिनरों को बहुत अच्छी तरह से हिट कर रही है। इसलिए यह अच्छी बात है। और हम दोनों ही जितना हो सके उतनी अच्छी शुरुआत देने की कोशिश करते हैं।''

प.बंगाल : आरजी कर हत्याकांड के विरोध में जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आरजी कर अस्पताल में अपनी सहकर्मी से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या किए जाने की घटना के विरोध में आंदोलन कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा उत्सव के बीच बृहस्पतिवार को पांचवें दिन भी अपना आमरण अनशन जारी रखा।

विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के नौ जूनियर डॉक्टर अनशन कर रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर देने वाली अपनी 'काम रोको' हड़ताल खत्म करने के बाद शनिवार की शाम को कोलकाता के मध्य में धर्मतल्ला के डोरीना चौराहे पर आमरण अनशन शुरू किया था। राज्य सरकार ने बुधवार की शाम को प्रदर्शनकारियों के साथ बैठक बुलाई, लेकिन गतिरोध दूर करने में असफल रही। मुख्य सचिव मनोज पंत की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने आरोप लगाया कि उन्हें राज्य सरकार की ओर से मौखिक आश्वासन के अलावा कुछ भी ठोस नहीं मिला। डॉक्टरों ने शहर में कुछ दुर्गा पूजा पंडालों के बाहर प्रदर्शन कर रहे और पर्चे बांट रहे उनके सहकर्मियों और कुछ अन्य युवक-युवतियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किए गए लोगों को पूर्ण कानूनी सहायता प्रदान करेंगे। दोपहर में जब गिरफ्तार लोगों को अलीपुर की एक अदालत में पेश किया गया तो कुछ डॉक्टरों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

खरगे, राहुल ने वरिष्ठ नेताओं के साथ हरियाणा की हार के कारणों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के कारणों पर बृहस्पतिवार को वरिष्ठ पर्यवेक्षकों तथा प्रभारी के साथ समीक्षा की।

खरगे के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर हुई इस समीक्षा बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, इस चुनाव में वरिष्ठ पर्यवेक्षक की भूमिका निभाने वाले राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कोषाध्यक्ष अजय माकन तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दो अन्य पदाधिकारी थे। प्रभारी दीपक बाबरिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े क्योंकि वह पिछले कुछ सप्ताह से अस्वस्थ हैं। बैठक के बाद माकन ने संवाददाताओं से कहा, ''इस बैठक में हरियाणा के चुनाव नतीजों की समीक्षा की गई। आप लोग (मीडिया) भी इस बात को मानते होंगे कि नतीजे अप्रत्याशित थे। एग्जिट पोल और असल नतीजों में जमीन और आसमान का फर्क था। अलग अलग कारण क्या हो सकते हैं, इस पर चर्चा की गई।'' उनका कहना था कि आगे के कदमों की जानकारी बाद में दी जाएगी।

इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा के नहीं शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर माकन ने कहा कि जिनको बुलाया गया था, वो सभी आए थे।

उत्तर प्रदेश: मालगाड़ी में 'जीपीएस ट्रैकर' मिलने से हड़कंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी/भाषा। उत्तर प्रदेश में झांसी के निकट भोपाल-दिल्ली रेल मार्ग पर एक मालगाड़ी में एक संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिलने से हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि उपकरण की जब गहनता से जांच की गयी तो इसके जीपीएस होने की पुष्टि हुई।

अधिकारियों ने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब साढ़े नौ बजे उस समय हुई, जब छत्तीसगढ़ से राजस्थान कोयला ले जा रही मालगाड़ी बिजौली स्टेशन पर रुकी हुई थी। पुलिस के अनुसार, ट्रेन के गार्ड सीएल मीणा ने गार्ड के डिब्बे के पास चमकती रोशनी वाली एक डिवाइस देखी और तुरंत रेलवे नियंत्रण कक्ष को सूचित किया। झांसी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुधा सिंह समेत वरिष्ठ अधिकारी आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल), जीआरपी (राजकीय रेलवे पुलिस) और बम निरोधक दस्ते के साथ मौके पर पहुंची। सिंह ने बताया, आरपीएफ को सूचना मिली थी कि प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बिजौली स्टेशन पर रुकी हुई मालगाड़ी के अंदर एक उपकरण मिला है। उन्होंने बताया कि जब गहनता से जांच की गई, तो एक जीपीएस ट्रैकर मिला। सिंह के मुताबिक, मामले की जांच की गयी तो सामने आया कि जिस कंपनी ने अपने कोयले की खेप को मालगाड़ी से भेजा था उसी ने ट्रैकर लगाया था।

अगले महीने डेविस कप फाइनल्स के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे रफेल नडाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैड्रिड/एपी। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन रफेल नडाल ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह अगले महीने होने वाले डेविस कप फाइनल्स के बाद टेनिस को अलविदा कह देंगे। 38 वर्ष के नडाल से अधिक ग्रैंडस्लैम पुरूष वर्ग में नोवाक जोकोविच (24) ने जीते हैं जबकि रोजर फेडरर 20 बार विजेता रहे हैं। तीनों टेनिस के 'बिग थ्री' कहे जाते रहे हैं।

स्पेन के नडाल ने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की। उन्होंने संकेत दिया कि उन्होंने यह फैसला लगातार चोटों के कारण लिया है। नडाल ने कहा,'' मैने जो कुछ भी अनुभव किया है, वह सपना सच होने जैसा है। मैं इस इत्मीनान के साथ जाऊंगा कि मैने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।'' उन्होंने कहा,'' हकीकत यह है कि पिछले कुछ साल काफी कठिन रहे, खासकर पिछले दो साल। मुझे नहीं लगता कि मैं खुलकर खेल सका। यह कठिन फैसला था जिसे लेने में मुझे कुछ समय लगा। लेकिन जीवन में हर चीज की एक शुरूआत और एक अंत होता है।'' लाल बजरी के बादशाह कहे जाने वाले नडाल ने लाल कोर्ट पर रिकॉर्ड 14 फ्रेंच ओपन खिताब जीते। रोलां गैरो कोर्ट के प्रवेश द्वार पर नडाल की प्रतिमा इसकी गवाह है कि उन्होंने इस पर अपने प्रदर्शन की छाप किस कदर छोड़ी है।

नडाल ने चार बार अमेरिकी ओपन और दो दो बार विम्बलडन और आस्ट्रेलियाई ओपन जीता है। उन्होंने आखिरी ग्रैंडस्लैम 2022 आस्ट्रेलियाई ओपन जनवरी में और जून में फ्रेंच ओपन जीता था। फेडरर ने 2022 सत्र के आखिर में 41 वर्ष की उम्र में संन्यास का ऐलान किया था। नडाल ने फेडरर और जोकोविच के खिलाफ खेलते हुए तस्वीरों के बीच कहा,'' मैं समूचे टेनिस जगत और खेल से जुड़े हर व्यक्ति खासकर अपने पुराने प्रतिद्वंद्वियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैने उनके साथ काफी समय बिताया है और यादगार पल जिये हैं।''

नडाल ने कहा कि डेविस कप के जरिये विदा लेने को लेकर वह काफी रोमांचित है। डेविस कप फाइनल्स स्पेन के मालागा में 19 नवंबर से खेला जायेगा। नडाल ने पेरिस ओलंपिक के बाद से नहीं खेला है जिसमें वह एकल वर्ग में जोकोविच से हार गए थे। वह युगल वर्ग में कार्लोस अल्काराज के साथ क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

पीटी उषा ने अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को अवैध घोषित किया, कल्याण चौबे को लताड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

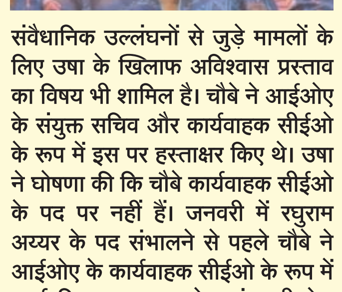

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने गुरुवार को आईओए स्टाफ को संयुक्त सचिव कल्याण चौबे और कार्यकारी परिषद के बाकी सदस्यों से कोई भी निर्देश लेने से रोक दिया। उन्होंने इसके साथ ही 25 अक्टूबर को होने वाली विशेष आमसभा (एसजीएम) के लिए चौबे द्वारा घोषित किए गए एजेंडा को अवैध और अनधिकृत करार दिया।

चौबे ने बुधवार को आईओए के आधिकारिक लेटरहेड पर एक सर्कुलर जारी किया जिसमें 25 अक्टूबर को होने वाली आमसभा की बैठक के लिए 26 एजेंडा शामिल किए गए थे। इनमें कथित संवैधानिक उल्लंघनों से जुड़े मामलों के लिए उषा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का विषय भी शामिल है। चौबे ने आईओए के संयुक्त सचिव और कार्यवाहक सीईओ के रूप में इस पर हस्ताक्षर किए थे। उषा ने घोषणा की कि चौबे कार्यवाहक सीईओ के पद पर नहीं हैं। जनवरी में रघुराम अय्यर के पद संभालने से पहले चौबे ने आईओए के कार्यवाहक सीईओ के रूप में कार्य किया था। उषा ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में चौबे की कार्रवाई को ''अवैध और आईओए संविधान का उल्लंघन'' बताया। उन्होंने कहा,''आईओए संविधान के अनुच्छेद 8.1 के अनुसार आईओए के अध्यक्ष के रूप में मैंने पहले ही तीन अक्टूबर 2024 को विशेष आम सभा को लेकर नोटिस जारी किया था। इसके अलावा मैंने आईओए के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे को बैठक बुलाने या 25 अक्टूबर को होने वाली एसजीएम का एजेंडा घोषित करने के लिए अधिकृत नहीं किया है।'' उषा ने कहा,''इसलिए उस बैठक को लेकर जारी किया गया कोई भी अन्य एजेंडा या नोटिस अवैध और अनधिकृत है। इसमें कल्याण चौबे द्वारा जारी किया गया नोटिस भी शामिल है। इसे दुर्भावनापूर्ण इरादे से जारी किया गया माना जाना चाहिए और इसकी उपेक्षा की जानी चाहिए।''

सुविचार

**गलती नीम की नहीं
की वो कड़वा है, खुदगर्जी
जीभ की है की उसे मीठा पसंद है!**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बीएसएनएल: कैसे लौटे वैभव?

संसद की एक समिति द्वारा भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की सेवाओं की गुणवत्ता और ग्राहक आधार के संबंध में जताई गई अप्रसन्नता अकारण नहीं है। आम आदमी तो वर्षों से इसी बात की शिकायत करता रहा है, लेकिन उसकी आवाज अनसुनी कर दी गई। आखिरकार उसे निजी कंपनियों की सेवाएं लेनी पड़ीं। भाजपा सांसद संजय जायसवाल की अध्यक्षता वाली प्राक्कलन समिति को अधिकारियों ने अगले छह महीनों में बेहतर सेवाओं का आश्वासन दे दिया। इस अवधि में सेवाएं कितनी बेहतर होंगी, यह तो समय ही बताएगा। हां, यह कहना गलत नहीं होगा कि बीएसएनएल ने बहुत देर कर दी। ऐसा नहीं है कि जनता ने उससे हमेशा ही मुंह मोड़कर रखा था। एक समय था, जब बाजार में बीएसएनएल का ही दबदबा हुआ करता था। गांवों में तो इसकी सिम मिलना बहुत मुश्किल था। बहुत लोग शहर जाकर इसके दफ्तर के चक्कर लगाते तो सिम मिलती थी। जब बीएसएनएल का सुनहरा दौर चल रहा था, तब इसके उच्चाधिकारियों और तत्कालीन संप्रग सरकार को दूरदर्शिता दिखाते हुए कुछ बड़े फैसले लेने चाहिए थे, जो नहीं लिए गए। उसी दौरान 'अवैध' टेलीफोन एक्सचेंज मामला सामने आया था। 2जी स्पेक्ट्रम मामले ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। रही-सही कसर कामकाज के सुस्त ढर्रे ने पूरी कर दी। बीएसएनएल का नेटवर्क मिलने में बहुत मुश्किल होती थी। आज भी कई इलाकों में यह समस्या है। उक्त समिति में शामिल सांसदों की यह चिंता वाजिब है कि एक समय की प्रमुख दूरसंचार कंपनी की आज बाजार हिस्सेदारी घटकर मात्र सात प्रतिशत रह गई है, जबकि निजी ऑपरेटर मोबाइल कनेक्शन के लिए लोगों की पसंद बन गए हैं।

वास्तव में निजी ऑपरेटरों का लोगों की पसंद बनने के पीछे कई वजह हैं। पिछले दशक तक जिन लोगों ने बीएसएनएल की इंटरनेट सेवाएं ली थीं, वे इस तथ्य से परिचित होंगे कि जब कोई तकनीकी खराबी आ जाती थी तो उसे ठीक करवाने की प्रक्रिया बहुत लंबी होती थी। सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियों की भरमार है, जिनमें लोग अपने अनुभव बताते हुए मिल जाएंगे कि उन्होंने अधिकारियों से निवेदन किया, दफ्तर में प्रार्थनापत्र लेकर घूमे, उन्हें एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक दौड़ाया गया। कई जगह ये भी शिकायतें थीं कि संबंधित अधिकारी उनकी समस्याओं का समाधान करने के खास इच्छुक नहीं थे। बेशक ऐसे अधिकारी भी होते हैं, जो बड़ी मेहनत और ईमानदारी के साथ शिकायतें सुनते थे / हैं और समाधान भी करते थे / हैं, लेकिन इस कड़वी हकीकत को मानना पड़ेगा कि बहुत लोगों की शिकायतों का समाधान आसानी से नहीं होता था। उन्हें संबंधित अधिकारियों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलता था। जब कोई ग्राहक किसी कंपनी को पैसा देकर सेवाएं लेता है तो वह यह भी चाहता है कि उसे निर्बाध सेवाएं मिलती रहें और कोई समस्या आए तो संबंधित अधिकारियों से पर्याप्त सहयोग मिले। निजी कंपनियों ने इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अपनी सेवाएं जारी कीं। वे नए-नए ऑफर लेकर आईं। उनकी सेवाएं लेना तुलनात्मक रूप से काफी आसान भी था / है और वे समय के साथ नई तकनीक को शामिल करती रहती हैं। ग्राहकों को उनके साथ भी समस्याएं हैं, लेकिन इसके बावजूद वे उनसे जुड़े हुए हैं। इस साल निजी कंपनियों द्वारा अपनी सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने के बाद लोगों ने जुलाई में बीएसएनएल में सिम पोर्ट करवाने की मुहिम शुरू कर दी थी। इसे सोशल मीडिया ने रफ्तार दी थी। बाद में कई लोग सोशल मीडिया पर यह कहते नजर आए कि बीएसएनएल की सेवाएं सस्ती जरूर हैं, अगर ये थोड़ी और बेहतर हो जाएं तो ही वे भविष्य में इससे जुड़े रहेंगे। अभी बीएसएनएल के पास सुनहरा मौका है। अगर यह कुछ सुधार कर ले तो इसका वैभव लौट सकता है। सबसे पहले तो नेटवर्क मजबूत किया जाए। इसकी सेवाएं लेने और कोई समस्या होने पर समाधान की प्रक्रिया आसान की जाए। आकर्षक ऑफर्स की शुरुआत की जाए। नए जोश के साथ काम करते हुए निजी कंपनियों से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की जाए। बीएसएनएल का ग्राहक आधार बढ़ना और मजबूत होना बहुत जरूरी है।

ट्वीटर टॉक

कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों द्वारा सेना के जवान को अगवा कर उसकी हत्या की घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। देश के वीर सपूत की शहादत को मैं दिल से सलाम करता हूँ और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ।

-सचिन पायलट

भारत के प्रख्यात उद्योगपति, 'पद्म विभूषण' श्री रतन टाटा जी का निधन अत्यंत दुःखद है। वह भारतीय उद्योग जगत के महानायक थे। उनका जाना उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका सम्पूर्ण जीवन देश के औद्योगिक और सामाजिक विकास को समर्पित था।

-योगी आदित्यनाथ

'सीमा की सुरक्षा ही राष्ट्र की सुरक्षा है' के मंत्र पर चल मोदी सरकार बॉर्डर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। आज केंद्रीय कैबिनेट ने 4,406 करोड़ की लागत से राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में 2,280 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

मोक्ष की विद्या

गांव बालुका, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध बौद्ध दार्शनिक नागार्जुन का दर्शन शून्यवाद कहलाता है। उन्होंने वस्तु शून्यता के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था, जिसका अर्थ है कि अविद्या के नष्ट हो जाने पर सभी वस्तुएं शून्य में विलीन हो जाती हैं और कुछ विशेष न रहना ही निर्वाण है। उनकी आयुर्वेद समेत साहित्य और संस्कृति में गहन रुचि थी। उन्होंने कई ग्रंथ प्रणीत किए। जिनमें 'रस हृदय', 'रस रत्नाकर' और 'रसेंद्र मंगल' प्रसिद्ध हैं। नागार्जुन के गुरु श्रीमद गोविंद पादाचार्य जब अजर-अमर होने की विद्या नागार्जुन को सिखाने लगे, तब उन्होंने कहा था कि, 'पुत्र, मुक्ति की प्राप्ति एक ही जन्म की तपस्या से नहीं हो सकती, फिर वह जन्म भी कैसा, जो रोग-शोक से परिपूर्ण हो। इसलिए मुक्ति तत्व जानने से पहले तू अजर-अमर होने की विद्या मुझसे सीख क्योंकि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का मूल तंदुरुस्ती है।'

सामयिक

सीरत के धनकुबेर रतन टाटा

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

जिंदगी भर कारोबार... कारोबार... बस कारोबार... जिद, जुनून और लगन के चलते बिज़नेस के सिवा कुछ नहीं किया. ठोस फैसले लेते गए.. सही साबित भी करते गए... दुनिया इन्हें रतन नवल टाटा के नाम से जानती और पहचानती है। भारत के सबसे बड़े और बेहद ईमानदार उद्योगपतियों में से एक रतन टाटा इतनी कमाई के बावजूद दुनिया के धनकुबरों की सूची में इसीलिए शुमार नहीं हो पाए, क्योंकि वह अपनी कमाई का 65 प्रतिशत हिस्सा दान कर देते थे। श्री टाटा यूं तो कम ही बोलते थे, लेकिन जब बोलते थे, बेलौस। किसी को बुरा लगे तो लगे। हकीकत से उन्होंने कभी मुंह नहीं मोड़ा। वह महामारी के चलते कॉर्पोरेट जगत में छटनी, उद्योगपतियों की नैतिकता सरीखे फैसलों पर आहत रहे। कहते थे, कॉर्पोरेट जगत की टॉप लीडरशिप में सहानुभूति की कमी हो गई है। कोरोना के मुश्किल दौर में उद्यमियों और कंपनियों के लिए लम्बे समय तक काम करने और अच्छा प्रदर्शन करने वाले कारिंदों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। ये वे लोग हैं, जिन्होंने अपना पूरा करियर कंपनी के लिए लगा दिया है। संकट के समय आप इन्हें सपोर्ट करने की जगह बेरोजगार कर रहे हैं। टाटा मानते, मुनाफा कमाना गलत नहीं है, लेकिन यह काम भी नैतिकता से करना जरूरी है। यह सवाल बहुत जरूरी है, आप मुनाफा कमाने के लिए क्या-क्या कर रहे हैं ? यह सवाल खुद से लगातार पूछते रहना चाहिए, वे जो फैसले ले रहे हैं, क्या वे सही हैं? वह कंपनी ज्यादा दिन सर्वाइव नहीं कर सकती है, जो अपने स्टाफ को लेकर संवेदनशील नहीं है। कर्मचारियों की छंटनी कोई समाधान नहीं है। इससे पता चलता है, भारतीय कॉर्पोरेट जगत की टॉप लीडरशिप में हमदर्दी का अभाव है।

टाटा ग्रुप की कंपनियों में एयरलाइन्स, होटल बिज़नेस, फ़ाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटो बिज़नेस शुमार हैं। ये ऐसे सेक्टर हैं, जहां कोरोना महामारी का सर्वाधिक असर हुआ था। एविएशन और होटल इंडस्ट्री की सूरत से हरेक वाकिफ है। ऑटो सेक्टर की भी हालत पतली थी। कारों की बिक्री में रिकॉर्ड गिरावट देखी गई। बावजूद इसके टाटा ग्रुप ने एक भी कर्मी को नौकरी से नहीं निकाला था। सिर्फ सॉफ्टवेयर समूह ने अपने शीर्ष मैनेजमेंट के वेतन में 20 पर्सेंट की कटौती की थी। दरियादिली में पीछे नहीं रहे। कोरोना से निपटने के लिए टाटा समूह ने पीएम केयर्स फंड में 1500 करोड़ का दान किया। नामचीन उद्योगपति श्री रतन टाटा मानते रहे, बिज़नेस का मतलब सिर्फ मुनाफा कमाना नहीं होता है। देशभर में लाखों-लाख लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया। क्या इससे समस्या का हल हुआ ? वह खुद ही जवाब देते थे, उन्हें नहीं लगता- ऐसा हो सकता है। आपको बिज़नेस में नुकसान हुआ है, ऐसे में लोगों को नौकरी से निकल देना विकल्प नहीं है, बल्कि उनके प्रति आपकी जिम्मेदारी बनती है। आप इस माहौल में तब तक ज़िंदा नहीं रह पाएंगे, जब तक आप संवेदनशील नहीं रहते हैं। सबसे पहले लोगों के कार्यस्थल के बारे में आपको चिंतित होना चाहिए।

लेजन्डेरी उद्योगपति श्री टाटा साफ मानते रहे, मंदी के दौर में बने रहने के लिए आपको जो उचित और आवश्यक लगता है, उसके सन्दर्भ में आपको बदलना होगा। कोरोना संकट के दौर में कोई निश्चित तरीके से व्यापार करना जारी नहीं रख सकता है। इस महामारी के दौरान वर्क फॉर्म होम अच्छा उपाय है। ले-ऑफ कंपनी की समस्याओं को हल करने में मदद नहीं करेगा। श्री टाटा कहते, आय का कोई सोर्स न होने के करना लॉकडाउन के दौरान प्रचंड गर्मी ने बिना साधन के श्रम शक्ति ने घर वापसी की। देश की सबसे बड़ी श्रम शक्ति को एक ही झटके में कह दिया गया, आपके लिए कोई काम नहीं है। उनके घरों तक भेजने की व्यवस्था नहीं की। रहने-खाने का कोई बंदोबस्त नहीं किया। इससे क्षुब्ध श्री टाटा ने सवाल किया, ऐसा करने वाले आप कौन होते हैं ? आप अपनी लेबर फॉर्स के साथ इस तरह का बर्ताव क्यों करते हैं ? क्या आपकी नैतिकता की यही परिभाषा है ? टाटा ने इंडस्ट्री के शीर्ष अफसरों से पूछा, इस मुश्किल समय में उनका क्या कर्तव्य बनता है ? उनके लिए नैतिकता की क्या यही परिभाषा है ? जिन्होंने आपके लिए दिन-रात काम किया, आपने उन्हें ही छोड़ दिया।

टाटा का मानना रहा है, कोई भी बिज़नेस करते समय दो चीजों पर ध्यान देना हमेशा जरूरी है। पहला, किसी भी सिचुएशन में अपने स्टेकहोल्डर्स या शेयरहोल्डर्स से सामना करना। दूसरा निचले तबके के कर्मचारियों को भी समझना। अगर कंपनी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति नाराज है तो उसका कोई न कोई कारण होता ही है। उसका सोल्युशन निकालना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि जिस वक्त उन्हें टाटा मोटर्स का चेयरमैन बनाया गया था, उसके कुछ समय बाद कंपनी में बहुत बड़ी स्ट्राइक हुई थी। उन्होंने उन दिनों 3 से 4 दिन प्लांट में ही बिताए। सभी को यह भरोसा दिलाया था, हम एक हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यही है कि किसी भी कंपनी को उसके प्रॉफ़िट्स और परफॉरमेंस के आधार पर ही जज किया जाता है। प्रॉफ़िट कंपनी की आतंरिक स्थिति को कवर करता है। आजकल की कंपनियां वर्कर्स की खुशियों से ज्यादा अपने प्रॉफिट पर ध्यान देती हैं। ऐसा ही कुछ वर्कर्स के साथ भी है। ग्राहकों को भी सोचना चाहिए कि जिस कंपनी से वे डील कर रहे हैं, वे गुणवत्ता और कस्टमर सर्विस के अनुसार फेयर हैं या नहीं। एक कंपनी के तौर पर सोचना होगा कि क्या आप अपने कस्टमर्स के प्रति फेयर हैं? अगर कोई भी कंपनी, कस्टमर या वर्कर अपने एथिक्स भूल जाता है तो उसे एक वक़्त पर उसका खामियाज़ा भुगतना ही होगा। कोविड की स्थिति में आपके पास भागने का विकल्प नहीं था। आपको बस यह स्वीकार करना था कि कोई भी कारण हो आपको परिस्थितियों के मुताबिक बदलना ही होगा। इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है 'वर्क फ्रॉम होम'। ऐसा पहली बार हुआ जब वर्कर्स को उनके वर्कप्लेस से फर्क नहीं पड़ा। किसी भी परिस्थिति में काम चालू रखना एक बड़ी बात है, इसीलिए लोगों ने 'वर्क फ्रॉम होम' को अपनाया।

बकौल टाटा, आपके पास छिपने और भागने के लिए कोई जगह नहीं है। आप जहां भी जाते हैं, कोविड-19 महामारी आपको हिट करती है। ऐसे में बेहतर है कि हालात को स्वीकारें। पदमभूषण और पदमविभूषण से सम्मानित इंडस्ट्री के इस बड़े खिलाड़ी टाटा ने कोरोना महामारी के दौरान एक पोर्टल को पहली बार अपनी बहुमूल्य राय साझा की थी। बोले, आपको उन बातों में बदलाव करना होगा, जिन्हें आप अच्छा मानते हैं या जो जिन्दा रहने के लिए जरूरी है। किसी भी व्यक्ति को अपनी ख़्याली दुनिया से ज्यादा सच्ची असफलता के बारे में चर्चा करनी चाहिए। दुनिया का एक और कटु सत्य यह है कि हर कोई स्पॉटलाइट के पीछे है। उस सफलता को लोग प्रॉफिट से ही नापते हैं, इसीलिए आप प्रॉफिट को कभी भी इग्नोर नहीं कर सकते। सवाल यह उठता है कि उस प्रॉफिट को कमाने के लिए करना क्या है ? कड़वी सच्चाई यह है, आप डिफिकल्ट सिचुएशन से भाग नहीं सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई थी, भारत की युवा शक्ति नैतिकता और रचनात्मकता के आधार पर दुनिया में पॉवरहाउस बनकर उभरेगी। हमें ज्यादा क्रिएटिव और इन्नोवेटिव बनने की दरकार है। आज टाटा अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन इस महान हस्ती की हजारों-हजार प्रेरक कहानियां अनुकरणीय हैं।

मंथन

अब गठबंधन के साथी कांग्रेस की कर रहे हैं फजीहत!

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

मौजूदा दो विधानसभा चुनाव के नतीजों से कांग्रेस की फजीहत बढ़ गई है। अब इंडिया गठबंधन के घटक दल कांग्रेस की खटिया खड़ी करने पर उतर आए हैं। आपको बता दें कि लगभग सभी एग्जिट पोल में इस बार हरियाणा में कांग्रेस की भारी बहुमत से विजय की स्पष्ट भविष्यवाणी की गई थी परन्तु जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणामों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी कि वहां कौन जीतेगा। एग्जिट पोल के नतीजों से उत्साहित कांग्रेस को हरियाणा में 10 वर्ष बाद सरकार बनाने का भरोसा था परन्तु परिणाम एग्जिट पोल के विपरीत रहे। इन चुनावों में जहां भाजपा 48 सीटें जीत कर तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है, वहीं कांग्रेस 37 सीटों पर ही सिमट गई है।कांग्रेस के कर्ताधर्ता जीत को लेकर इतना आश्वस्त थे कि विजय जलूस के लिए बारात वाले बग्गी और घोड़े भी सज-धज के साथ बुकिंग कर दिया गया था लेकिन जैसे ही नतीजे आए कांग्रेस के अरमान आंसुओं में बह गए।

चुनावों के दौरान भाजपा को सत्ता विरोधी लहर के अलावा कांग्रेस व अन्य दलों द्वारा बेरोजगारी और किसान आंदोलन आदि को लेकर आरोपों का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर भाजपा ने कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार, भूमि स्कैंडलों और सरकारी नौकरियों में पक्षपात आदि का मुद्दा उठाया। कांग्रेस में हाल ही के लोकसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के चलते अति आत्मविश्वास, मुख्यमंत्री को लेकर कलह, कुमारी शैलजा की नाराजगी के प्रति हाईकमान की उदासीनता और 'आप' तथा अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ चुनावी गठबंधन न होना कांग्रेस पार्टी के पिछड़ जाने का कारण भी रहा। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद इंडिया ब्लॉक के सहयोगी अब खुलकर कांग्रेस के विरोध में आ गए हैं। हरियाणा में मंगलवार को चुनाव में मिली हार के बाद जहां कई सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर निशाना साधा तो वहीं कांग्रेस को अगले ही दिन दो बड़े झटके भी लगे। पहले तो आम आदमी पार्टी ने साफ कर दिया कि वो दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव में अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे और किसी से गठबंधन नहीं करेंगे। वहीं, सपा ने भी यूपी उपचुनाव को लेकर उन सीटों पर भी अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया जिसपर कांग्रेस दावा कर रही थी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद आदमी पार्टी ने दिल्ली चुनाव के लिए बड़ा ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा,'हम दिल्ली (विधानसभा) चुनाव अकेले लड़ेंगे। एक तरफ ओवर कॉन्फिडेंट कांग्रेस है तो दूसरी तरफ अहंकारी भाजपा है। हमने पिछले 10 सालों में दिल्ली में जो किया है, उसके आधार पर हम चुनाव लड़ेंगे।

उधर, शिवसेना ने सामना में लिखा कि हरियाणा की हार से महाराष्ट्र कांग्रेस को भी सीख लेने की जरूरत है. शिवसेना ने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप या अन्य दलों से गठबंधन नहीं किया, जिसके चलते उसे हार का सामना करना पड़ा. जबकि जम्मू-कश्मीर में गठबंधन का फायदा दिखा। शिवसेना ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस को पता है कि जीत को हार में कैसे बदलना है। शिवसेना ने कहा कि हरियाणा की हार कांग्रेस के ओवर कॉन्फिडेंस और राज्य नेतृत्व के अहंकार का नतीजा है। हुड्डा ने नॉन जाट वोटर्स को साथ नहीं लिया, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

जहां तक जम्मू-कश्मीर का संबंध है, कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस और जम्मू में भाजपा को अधिक सीटें मिली हैं। कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस (42) तथा सहयोगी कांग्रेस (6) को 48 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत मिला है। अतीत में कांग्रेस पार्टी का जम्मू क्षेत्र में मजबूत आधार रहा है परन्तु इस बार उसका आधार खिसक गया और वह जम्मू क्षेत्र में एक ही सीट जीत पाई। सबसे बड़ा झटका पी.डी.पी. को लगा है जिसे 3 सीटें ही मिली हैं।

जम्मू-कश्मीर के चुनावों में भाजपा को बड़े करिश्मे की उम्मीद थी परन्तु उसे 29 सीटों पर संतोष करना पड़ा। भाजपा नेताओं का अनुमान था कि कुल 35 के लगभग सीटें आने पर वे 5 नामांकित सीटों और निर्दलीयों के सहयोग से सरकार बनाने में सफल हो जाएंगे परन्तु ऐसा नहीं हो रहा।सरकार बनाने की कोशिश में पहाड़ी भाषी समुदाय को पिछड़ी जनजाति का दर्जा देने, धारा 370 हटाने और जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की समाप्ति तथा पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के विरुद्ध चलाए गए 'आल आउट' अभियान तथा मुसलमान उम्मीदवारों को टिकट देने का भी इसे कोई विशेष लाभ नहीं मिला। अलबत्ता जम्मू-कश्मीर में 'आप' को एक सफलता अवश्य मिली है जहां उसका एक उम्मीदवार चुनाव जीत गया है। नेकां-कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने पर सरकार बनाने की राह आसान हो गई है और नैशनल कान्फ्रेंस अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला ने उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा भी कर दी है। पीडीपी सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती ने कांग्रेस और नैशनल कांफ्रेंस की जीत पर कहा है कि केंद्र को जम्मू-कश्मीर के निर्णायक फैसले से सबक लेना चाहिए और नेकां-कांग्रेस सरकार के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। यदि वे ऐसा करते हैं तो यह विनाशकारी होगा। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी स्थिर सरकार को वोट देने के लिए बधाई देती हूं।

नेकां सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला ने भी बड़ा दिल दिखाते हुए कहा है कि, गठबंधन सरकार में पीडीपी को भी शामिल किया जाएगा। बहरहाल, अब जबकि भाजपा द्वारा हरियाणा में और नेकां कांग्रेस गठबंधन द्वारा जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने की कवायद शुरू होने जा रही है, ये चुनाव एक सबक हैं, सभी राजनीतिक दलों के लिए कि एकता में ही बल है और फूट का नतीजा हमेशा हानि में ही निकलता है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर में 2014 में अंतिम बार विधानसभा चुनाव हुए थे जिनमें पीडीपी ने सर्वाधिक 28 सीटें जीती थीं तथा 25 सीटें जीतने वाली भाजपा से गठबंधन करके सरकार बनाई थी जो दोनों पार्टियों के बीच नीतिगत मतभेदों के कारण कायम न रह सकी। 2018 में महबूबा के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र के बाद से ही जम्मू-कश्मीर का प्रशासन बिना चुनी हुई सरकार के उप-राज्यपाल द्वारा ही चलाया जा रहा था। अंत में एक बात और बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जलेबी पर बांटे ज्ञान ने भी हरियाणा में कांग्रेस की लुटिया डुबो दी लोगों को अहसास हो गया कि राहुल गांधी लोकजीवन से बहुत दूर है और उन्हें जमीनी चीजों की कोई जानकारी नहीं है। अब जबकि राज्य में नेकां और कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने जा रही है, आशा करनी चाहिए कि दोनों पार्टियां मिलकर बेहतर ढंग से राज्य का प्रशासन चलाकर इसे खुशहाली ओर ले जाएंगी।

नजरिया

देवी में निहित श्रद्धा

डॉ. रीना रवि मालपानी
मोबाइल : 9039551172

शक्ति आराधना पर्व शारदीय नवरात्रि समापन की ओर है। हमने नौ दिवस माता के प्रत्येक रूप की महिमा एवं स्वरूप का गुणगान किया है। नौ दिन माँ ही हमारे लिए सर्वस्व रही है। प्रत्येक कन्या आदिशक्ति दुर्गाजी का प्रतिरूप है, जिसमें सृजन की शक्ति है जो सदैव परिवार के लालन-पालन, भरण-पोषण के लिए समर्पित रही है। जगतमाता जगदंबा ने प्रत्येक प्राणी को अपनी ममता की छाव प्रदान की है। सभी को संतति मानकर स्नेह और प्रेम से सींचा है। कन्या पूजन के समय हम कन्याओं को देवी का प्रत्यक्ष स्वरूप मानकर पूजते है, पर उस शक्ति स्वरूपिणी देवी की उत्कंठा, प्रताड़ना, भय, संत्रास, घुटन एवं पीड़ा हमें वर्ष भर दर्शनीय नहीं होती। भ्रूण हत्या के समय हम उस मातृ शक्ति को स्मरण रखना भूल जाते है। बलात्कार के समय हम उस देवी के आशीर्वाद, उसकी प्रार्थना, ध्यान, अर्चना एवं उसकी सृजन शक्ति सभी को नगण्य मानते है।

नारी की विशालता का वर्णन तो असंभव है। प्रत्येक स्वरूप में नारी ने उत्कृष्टता, समर्पण, श्रृद्धा, निष्ठा, त्याग एवं प्रेम को प्रदर्शित किया है। जब सीता बनी तो अपनी पवित्रता के लिए अग्निपरीक्षा दे दी। सावित्री बनी तो अपने पति के प्राणों के लिए निडर होकर यमराज के समक्ष प्रस्तुत हुई। राधा बनी तो प्रेम की उत्कृष्टता को दर्शाया। सती बनी तो पति सम्मान में देह त्याग दी। मीरा बनी तो सहर्ष विष का प्याला ग्रहण किया। लक्ष्मी बनी तो नारायण के चरण दबाकर सेवा का महत्व समझाया। उर्मिला बनी तब वियोग की पीड़ा को सहन किया। शबरी बनकर प्रभु के प्रति अगाध श्रृद्धा एवं भक्ति भाव को दर्शाया। भगवान शिव माता गंगा को शीश पर धारण करते है। वे नारी के प्रति सम्मान को बताते है। सीता स्वयंवर में नारी की स्वेच्छा को कितना महत्वपूर्ण बताया गया है। आज पुनः महिषासुर रूपी राक्षस का आतंक, क्रूरता एवं भय दृष्टिगोचर हो रहा है। माता की पूजा शक्ति आराधना पर्व में तो हमने पूर्ण पवित्रता रखी है, परंतु हमारे विचार कलुषित हो गए है। वात्सल्य रूपी माँ भगवती को आज दैत्य शुंभ-निशुंभ एवं रक्तबीज का वध करना होगा। आज का मानव पुनः दानव में परिवर्तित होता नजर आ रहा है, जो स्त्री की गरिमा, निष्ठा एवं सम्मान का हनन कर रहा है, जिसके कारण दुर्गा रूपी कन्या का हृदय दहल गया है, जिससे शक्ति की आराधना करने वाले समाज में नारी स्वयं को असुरक्षित अनुभव करती है। माँ के स्वरूप में आदि-अनंत, सृजन-विनाश, क्रूर-करुणा एवं काल सब कुछ व्याप्त है, तो माँ के इस स्वरूप के दर्शन हमें सदैव प्रत्येक नारी में करने चाहिए और कन्या के प्रति अपने विचारों को दिव्यता प्रदान करनी चाहिए। माता को ज्योति अत्यंत प्रिय है, हमें भी माँ से ज्ञान की ज्योति का आह्वान करना है जिससे नारी सुरक्षित हो। माँ को चुनरी प्रिय है जिसका अर्थ है हमें सबकी लाज बचानी है, उसकी रक्षा करनी है। हमारे सनातन धर्म की श्रृद्धा देखिए कि हम नदियों को भी माँ मानकर उनको चुनरी ओढ़ाकर उन्हें सुशोभित करते है। पृथ्वी माँ पर अपने चरण रखने से पहले उनसे क्षमा याचना करते है और धरा माँ की उदारता देखिए वह किसी भी प्राणी में भेदभाव नहीं करती। सबके प्रति समभाव प्रत्यक्ष करती है।

माँ चाहती है की हम उन्नत विचारों का अंकुरण करें। उदार, उन्नत सोच का आविर्भाव करें। नौ महीने गर्भ में बिना भेदभाव के भ्रूण को उदार भाव से पल्लवित और पुष्पित करें। माँ के सृजन में नारी कोमल है, पर वह शक्तिहीन और लाचार नहीं है। नारी भावों की अनुपम प्रवाह है पर भोग की वस्तु नहीं। नारी में सदैव मौन सौम्य स्वभाव विद्यमान है, पर वह मूक का उदाहरण नहीं। वह समर्पण का पर्याय है जिसमे दर्प नहीं है। वह निश्चल वात्सल्य से परिपूरित है पर वाचाल नहीं है। वह कर्तव्यों का निर्वहन करती है, मर्यादा में रहती है पर परतंत्र नहीं है। वह सृजन की नियामक है पर कोई निर्जीव संयंत्र नहीं है। वह प्रेम और अनुराग से ओतप्रोत है पर वह अबोधिनी नहीं है। वह सदाचार का प्रतिबिंब है पर कमजोर नहीं। वह सहज और सरल है पर शून्य नहीं। नारी तो स्वतंत्र, स्वच्छंद और उन्मुक्त उड़ान है पर वर्तमान समय में उसका पीछा करते शैतान और हैवान है। देवी में निहित श्रृद्धा को विचारों की परिपक्वता और उन्नत दृष्टिकोण से श्रृंगारित कीजिए और निर्मल प्रेम भावना से उसे सजाइए। कन्या और देवी के प्रति अपनी दृष्टि को प्रत्येक नवरात्रि जैसी बनाइये।

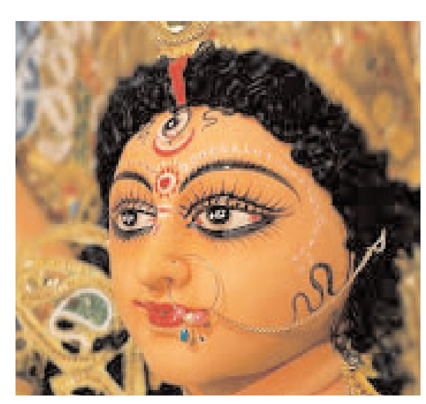

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रतन टाटा : अपनी सादगी और ईमानदारी के बूते बनाई अपनी एक अलग पहचान

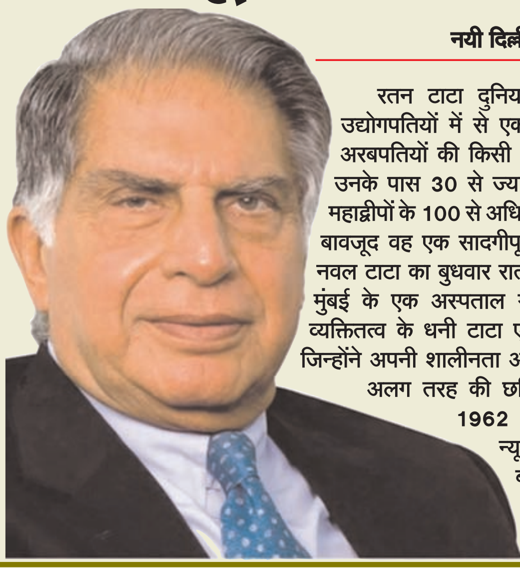

नयी दिल्ली/भाषा

रतन टाटा दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में से एक थे, फिर भी वह कभी अरबपतियों की किसी सूची में नजर नहीं आए। उनके पास 30 से ज्यादा कंपनियां थीं जो छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में फैली थीं, इसके बावजूद वह एक सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। रतन नवल टाटा का बुधवार रात को 86 वर्ष की आयु में मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। सरल व्यक्तितत्व के धनी टाटा एक कॉरपोरेट दिग्गज थे, जिन्होंने अपनी शालीनता और ईमानदारी के बूते एक अलग तरह की छवि बनाई थी। रतन टाटा 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से वास्तुकला में बी.एस. की डिग्री प्राप्त करने के बाद पारिवारिक कंपनी में शामिल हो गए। उन्होंने शुरुआत में एक कंपनी में काम किया और टाटा समूह के कई व्यवसायों में अनुभव प्राप्त किया, जिसके बाद 1971 में उन्हें (समूह की एक फर्म) 'नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी' का प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया। एक दशक बाद वह टाटा इंडस्ट्रीज के चेयरमैन बने और 1991 में अपने चाचा जेआरडी टाटा से टाटा समूह के चेयरमैन का पदभार संभाला। जेआरडी टाटा पांच दशक से भी अधिक समय से इस पद पर थे। यह वह वर्ष था जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को खोला और 1868 में कपड़ा और व्यापारिक छोटी फर्म के रूप में शुरुआत करने वाले टाटा समूह ने शीघ्र ही खुद को एक ''वैश्विक महाशक्ति'' में बदल दिया, जिसका परिचालन नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र और एयरलाइन तक फैला गया था। रतन टाटा दो दशक से अधिक समय तक समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी 'टाटा संस' के चेयरमैन रहे और इस दौरान समूह ने तेजी से विस्तार करते हुए वर्ष 2000 में लंदन स्थित टेटली टी को 43.13 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदा, वर्ष 2004 में दक्षिण कोरिया की देवू मोटर्स के ट्रक-निर्माण परिचालन को 10.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदा, एंग्लो-डच स्टील निर्माता कोरस समूह को 11 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदा और फोर्ड मोटर कंपनी से मशहूर ब्रिटिश कार ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर को 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदा। भारत के सबसे सफल व्यवसायियों में से एक होने के साथ-साथ, वह अपनी परोपकारी गतिविधियों के लिए भी जाने जाते थे। परोपकार में उनकी व्यक्तिगत भागीदारी बहुत पहले ही शुरू हो गई थी। वर्ष 1970 के दशक में, उन्होंने आगा खान अस्पताल और मेडिकल कॉलेज परियोजना की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री मोदी ने रामायण का लाओ संस्करण देखा, बौद्ध भिक्षुओं का आशीर्वाद लिया

विएंतियान/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को रामायण के लाओ संस्करण की 'मनमोहक प्रस्तुति' देखी, जो भारत और लाओस के बीच साझा विरासत एवं सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लाओस की राजधानी में हैं। विएंतियान पहुंचने के बाद उन्होंने लाओ रामायण 'फलक फालम' या 'फ्रलक फ्रराम' की एक कड़ी का मंचन देखा, जिसे प्रतिष्ठित रॉयल थिएटर ऑफ लुआंग प्रबांग के कलाकारों ने प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाओ रामायण की मनमोहक प्रस्तुति देखी, जिसे 'फलक फालम' या 'फ्रलक फ्रराम' के नाम से जाना जाता है। रामायण की यह अनूठी प्रस्तुति भारत और लाओ पीडीआर के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों और साझा विरासत को दर्शाती है। 'फ्रलकफ्रराम डॉट कॉम' के मुताबिक, लाओ रामायण मूल भारतीय संस्करण से अलग है। बौद्ध समूहों के माध्यम से यह 16वीं शताब्दी के आसपास लाओस पहुंचा था। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, विजय दशमी कुछ दिन दूर है और आज लाओ पीडीआर में मैंने लाओ रामायण का एक भाग देखा, जिसमें रावण पर प्रभु श्रीराम की जीत पर प्रकाश डाला गया है। यह देखकर खुशी होती है कि यहां के लोग रामायण से जुड़े हुए हैं। प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद सदैव हम पर बना रहे!प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'फलक फालम' या 'फ्रलक फ्रराम' की उस कड़ी की कुछ झलकियां भी साझा कीं, जो उन्होंने लाओ पीडीआर में देखी। इस मौके पर लाओ पीडीआर के गृह मंत्री, शिक्षा एवं खेल मंत्री, बैंक ऑफ लाओ पीडीआर के गवर्नर और विएंतियान के मेयर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, साझा विरासत और परंपरा दोनों देशों को करीब ला रही है... यह प्रस्तुति भारत-लाओस के समृद्ध और साझा जुड़ाव का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन थी।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि लाओस में आज भी रामायण का मंचन किया जाता है और यह महाकाव्य दोनों देशों के बीच साझा विरासत और सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों को दर्शाता है।

हुब्बल्ली मंडल ने हिंदी पखवाड़ा के विजेताओं को किया पुरस्कृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुब्बल्ली मंडल में 14 से 28 सितम्बर तक हिंदी पखवाड़ा-2024 मनाया गया। मंडल में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे द्वारा राजभाषा प्रदर्शनी से किया गया। मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे के हाथों से हिंदी सहायक साहित्य ट्रैकमैन हैंडबुक का विमोचन किया गया। सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता तथा उसके उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से रेल अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध, वाक, टिप्पण व प्रारूप लेखन, हिंदी टंकण, स्मरण, वर्ग-पहेली, और राजभाषा प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रेलवे स्कूल के विद्यार्थियों के लिए देशभक्ति गान, हिंदी निबंध और वाक प्रतियोगिता का विशेष आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में रेलकर्मियों और स्कूल के बच्चों समेत कुल 234 प्रतियोगियों ने सहभागिता की।

हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन 10 अक्टूबर को रेल कल्याण केन्द्र में किया गया। समारोह में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक(सामान्य) संतोष कुमार वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) टीवी भूषण सहित अनेक वरिष्ठ रेल अधिकारी और रेल कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। संतोष कुमार वर्मा ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हुब्बल्ली मंडल की राजभाषा शाखा द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इसकी बदौलत रेल कर्मचारियों में हिंदी में काम करने की रुचि बढ़ी है एवं हिंदी में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या में गणनीय वृद्धि हुई है। आगे उन्होंने सरकारी कामकाज में हिंदी में मूल नोटिंग और ड्राफ्टिंग करने वाले विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि पूरे ज़ोनल रेल में लागू इस योजना में भाग लेने वाले कर्मचारियों की संख्या हुब्बल्ली मंडल में सबसे अधिक है। इससे पता चलता है कि मंडल में कर्मचारियों में हिंदी के प्रति काफी उत्साह है। आगे उन्होंने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियम एवं नियम के उपबंधों के अनुपालन में अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसीलिए उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हर संभव प्रयास करें। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि अगर हम हिंदी का वाकई प्रयोग-प्रसार चाहते हैं, तो इसे केवल सरकारी कार्यालयों, रेलकर्मियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे रेल के गलियारे से बाहर निकाल कर रेलकर्मियों के परिवार और उनके बच्चों तक ले जाने के उपाय ढूंढने चाहिए। इससे हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा होगी, साथ में गैर-हिंदी क्षेत्र के लोगों को लगेगा कि हिंदी गैर-भाषा नहीं, वह भी हमारी ही सहोदर भाषा है। हिंदी सीखने से हमारे ज्ञान में बढ़ोतरी होगी और इससे भारत के किसी भी कोने के आम आदमी से आसानी से संवाद स्थापित किया जा सकता है।

राजभाषा अधिकारी सचिन जैन ने हुब्बल्ली मंडल द्वारा वर्ष 2023-24 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों का संक्षिप्त लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मंडल में कार्यरत रेल अधिकारियों / कर्मचारियों में हिंदी के प्रति अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए मंडल के बड़े स्टेशनों पर सुप्रसिद्ध साहित्यकारों की जयंतियां मनाई गईं और हिंदी कार्यशाला, हिंदी प्रदर्शनी, हिंदी में सेमिनार एवं हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राजभाषा विभाग की दस हजार शब्द योजना के अंतर्गत सरकारी कामकाज में मूल रूप से हिंदी का प्रयोग करने वाले 88 रेल अधिकारियों/कर्मचारियों और हिंदी पखवाड़े के दौरान रेल अधिकारियों/कर्मचारियों तथा रेलवे स्कूल के बच्चों के लिए आयोजित हिंदी निबंध, वाक और टिप्पण व प्रारूप-लेखन, हिंदी स्मरण, हिंदी टंकण, हिंदी प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के कुल 84 विजेताओं को प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

अंत में रेलवे स्कूल के विद्यार्थियों एवं रेल कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ अनुवादक आरएन नदाफ ने कार्यक्रम का संचालन किया और वरिष्ठ अनुवादक जीआर नारायणाद्रि ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

बुजुर्गों की देखभाल को प्राथमिकता दें: चीन में बुजुर्ग आबादी 30 करोड़ होने पर राष्ट्रपति शी ने कहा

बीजिंग/भाषा

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी को देश में बुजुर्गों की तेजी से बढ़ती आबादी पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। चीन में बुजुर्गों की संख्या 30 करोड़ हो गई है, जिससे विवाह और जन्मदर में गिरावट के कारण जनसांख्यिकीय संकट बढ़ गया है।

चीन की 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की आबादी 2023 के अंत तक 30 करोड़ हो गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की बृहस्पतिवार की रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि यह 2035 तक 40 करोड़ से अधिक हो जाएगी और 2050 तक इसके 50 करोड़ पर पहुंच जाने की संभावना है।

चीन में शुक्रवार को 'वरिष्ठ नागरिक दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की पूर्व संध्या पर शी ने बुजुर्ग लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की समितियों और सभी स्तरों की सरकारों से बुजुर्गों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

चीनी बुजुर्ग ज्यादातर राज्य की सामाजिक सुरक्षा सहायता पर निर्भर हैं जो गिरती अर्थव्यवस्था के बीच राज्य की वित्तीय स्थिति पर विपरीत असर डाल रही है। चीन ने कभी दशकों तक एक-बच्चा नीति को सख्ती से लागू किया था।

अधिकारियों ने कहा कि अधिक उम्र के लोगों की बढ़ती आबादी के अलावा, चीन एक गंभीर जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है जिसका मुख्य कारण एक बच्चे की नीति है। चीन ने आखिरकार 2016 में इस नीति को खत्म कर दिया और सभी जोड़ों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दे दी गई।

चीन ने बढ़ती लागत के कारण अधिक बच्चे पैदा करने के प्रति दम्पतियों की अनिच्छा को दूर करने के प्रयास में लोगों को तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति देते हुए 2021 में जनसंख्या नीति को संशोधित कर दिया।

पेंशन और वृद्धावस्था देखभाल की बढ़ती लागत के बीच चीन ने पिछले महीने कामकाजी आबादी की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ा दी जिससे जनता में नाराजगी फैल गई।

अगले साल की शुरुआत से पुरुषों के लिए सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़कर 63 वर्ष और महिला कर्मचारियों के लिए यह 55 की बजाय 58 वर्ष होगी।

हुआंग ने पहले हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट को बताया, ''जैसे-जैसे जन्म दर गिर रही है और जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है, बुजुर्गों का अनुपात भी बढ़ रहा है, जिसका मतलब है कि कामकाजी आबादी, या पेंशन पूल में भुगतान करने वाले लोग कम होते जा रहे हैं।''

'चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज' ने चेतावनी दी है कि मौजूदा रुझानों के आधार पर 2035 तक पेंशन प्रणाली में पैसा खत्म हो जाएगा।

जश्न

सुपरस्टार रजनीकांत के प्रशंसक गुरुवार को चेन्नई के रोहिणी थिएटर में उनकी फिल्म 'वेट्टैयान' की रिलीज का जश्न मनाते हुए।

'गुलमोहर' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पाना बड़ी उपलब्धि : मनोज वाजपेयी

नयी दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी का कहना है कि फिल्म 'गुलमोहर' के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार पाना उनके लिये बड़ी उपलब्धि है। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में मनोज वाजपेयी को फिल्म गुलमोहर के लिये स्पेशल मेंशन पुरस्कार मिला है।राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर मनोज बाजपेयी ने खुशी जताई और खुद को भाग्यशाली कहा। उन्होंने कहा, 'अच्छा महसूस कर रहा हूं। क्योंकि नैशनल अवॉर्ड समारोह जैसी जगह पर आकर, एक ऐसी छोटी सी फिल्म जिस तरह से अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है तो ये अपने आपमें बहुत बड़ी बात है हमारे लिए।'शर्मिला टैगोर जी हमारे साथ थीं शूटिंग के समय। उनका आशीर्वाद हमेशा साथ रहा। मुझे हमेशा लगता था कि जिस तरह की फिल्म गुलमोहर है, उसे वो मुकाम अब तक हासिल नहीं हुआ जो होना चाहिए। ठीक उसी समय ये अच्छी खबर मिलती है कि गुलमोहर को तीन नैशनल अवॉर्ड मिले हैं। इससे बड़ी खुशी हमलोगों के लिए हो नहीं सकती थी।'

मनोज वाजपेयी ने कहा,मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सारा श्रेय खुद नहीं ले सकता। मैं अपने निर्देशक का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की और मेरे साथ काम करने वाले सभी लोगों, सभी सह-कलाकारों का जिन्होंने मेरे काम का समर्थन किया।मैं अपने दर्शकों का भी धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे प्यार दिया।

रतन टाटा ने अमिताभ को लेकर बनायी थी फिल्म 'ऐतबार'

मुंबई/एजेन्सी

प्रसिद्ध उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद अध्यक्ष पद्म विभूषण रतन एन टाटा ने महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर फिल्म ऐतबार बनायी थी। भारत मे दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार की रात निधन हो गया। वैसे तो उन्हें उद्योगपति के तौर पर जाना जाता है लेकिन रतन टाटा ने एक बॉलीवुड फिल्म को भी प्रोड्यूस किया था। रतन टाटा ने वर्ष 2004 में फिल्म प्रोडक्शन में कदम रखा। उन्होंने टाटा इन्फोमीडिया के बैनर तले साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'ऐतबार' बनायी थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, जॉन अब्राहम, बिपाशा बासु और सुप्रिया पिलगांवकर की अहम भूमिका निभायी थी। फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया था। फिल्म ऐतबार वर्ष 1996 में प्रदर्शित अमेरिकन फिल्म 'फियर' से प्रेरित थी। फिल्म ऐतबार में अमिताभ ने एक ऐसे प्रोटेक्टिव पिता का किरदार निभाया था, जो बेटी को उसके सनकी और खतरनाक बॉयफ्रेंड से बचाने के लिए किसी भी हद तक चला जाता है। यह फिल्म अपनी लागत भी वसूल नहीं कर पाई। रतन टाटा को काफी कसान हुआ था। इस फिल्म के बाद रतन टाटा ने अपनी जिंदगी में कभी कोई फिल्म नहीं बनाई। इस तरह 'ऐतबार' रतन टाटा की बनाई गई पहली और आखिरी फिल्म साबित हुई।

फिल्म 'सास बहू की पंचायत' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म 'सास बहू की पंचायत' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया। फिल्म सास बहू की पंचायत का ट्रेलर एक सामाजिक और पारिवारिक कहानी को दर्शाता है। इस फिल्म के प्रस्तुतकर्ता प्रदीप सिंह और निर्माता विनय सिंह एवं प्रतीक सिंह हैं, जबकि निर्देशन प्रवीण सिंह गुड्डूरी ने किया है। इस फिल्म की कहानी को इन्द्रजीत एस कुमार ने लिखा है और ट्रेलर को इंटर10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। वहीं, ट्रेलर के रिलीज के बाद प्रदीप सिंह ने कहा कि फिल्म सास बहू की पंचायत एक खास पारिवारिक और सामाजिक संदेश लेकर आ रही है, जो हर घर की कहानी को दर्शकों के सामने रखती है।

हमें इस बात की खुशी है कि ट्रेलर को दर्शकों का इतना अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। हमारी पूरी टीम ने इस फिल्म में दिल से मेहनत की है और उम्मीद है कि फिल्म दर्शकों के दिलों को छूने में कामयाब होगी।यह फिल्म अपनी अनूठी कहानी और मजबूत प्रस्तुति के कारण एक नया आयाम स्थापित करेगी।

फिल्म सास बहू की पंचायत में अंशुमान सिंह राजपूत, अपर्णा मल्लिक, रीना रानी, अनूप अरोड़ा, निशा सिंह, रिंकू भारती, समर्थ चतुर्वेदी और कई अन्य नामचीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म के संगीतकार मुन्ना दुबे, गीतकार प्यारे लाल यादव, शेखर मधुर और मुन्ना दुबे हैं।

अमिताभ, धर्मेन्द्र और रजनीकांत ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

मुंबई/एजेन्सी

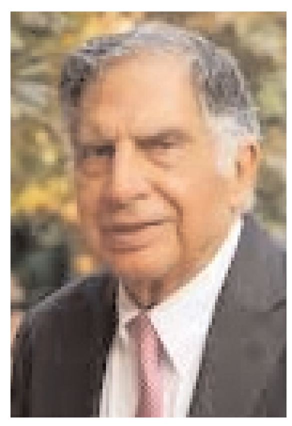

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, ही मैन धर्मेन्द्र और दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत ने टाटा संस के मानद अध्यक्ष पद्म विभूषण रतन एन टाटा के निधन पर उन्हें श्रंदाजलि दी है। भारत मे दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार की रात निधन हो गया। रतन टाटा के निधन की खबर आने के बाद से देश में शोक की लहर है। सोशल मीडिया पर लोग रतन टाटा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। महानायक अमिताभ बच्चन ने भी उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने रतन टाटा के निधन को 'भारत के एक युग का अंत' बताया है। अमिताभ ने अपने एक्स हैंडल पर एक भावुक पोस्ट करते हुए टाटा को विनम्र श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा,अभी-अभी श्री रतन टाटा के निधन की खबर मिली... वह बहुत लंबे समय से काम कर रहे थे। एक युग का अंत हो गया... एक बेहद सम्मानित, विनम्र और दूरदर्शिता व दृढ़ संकल्प वाले दूरदर्शी लीडर थे। उनके साथ मैंने कुछ अद्भुत पल बिताए। कई अभियानों के दौरान हमने साथ काम किया था। मेरी प्रार्थनाएं। दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर रतन टाटा की तस्वीर शेयर कर भावुक कैप्शन लिखा, 'रतन टाटा साहब, हसरत ही रह गई आपसे मिलने की। एक विनम्र राजा, जिन्होंने अपने कर्मचारियों की अपने बच्चों की तरह देखभाल की। सर, आपको हमेशा बड़े प्यार और सम्मान के साथ याद किया जाएगा।' रजनीकांत ने एक्स पर लिखा,एक महान दिग्गज आइकन, जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता और जुनून से भारत को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया।वह व्यक्ति जिसने हजारों उद्योगपतियों को प्रेरित किया..वह व्यक्ति जिसने कई पीढ़ियों के लिए लाखों-करोड़ों नौकरियां प्रदान की।वह व्यक्ति जिसे सभी प्यार करते थे और सम्मान देते थे।उन्हें मेरा शत-शत नमन। मैं इस महान आत्मा के साथ बिताए हर पल को हमेशा संजो कर रखूँगा..भारत का एक सच्चा सपूत अब नहीं रहा. .. आरआइपी रतन टाटा।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

परमात्मा ने आत्म तत्व को प्रकट करने के लिए जो मार्ग अपनाया, वह अति कठिन था। आज दूसरों की प्रशंसा करना कठिन है लेकिन स्वयं की प्रशंसा करना उतना ही सरल है। परमात्मा ने तप साधना की लेकिन अपने समीप रहे। जो धर्म में स्थिर हैं, मोक्ष पाना चाहता है, ऐसे मनुष्य को इससे बढ़कर त्याग करना कोई बाधा नहीं है। जो वीतरागी है, उनके भीतर चैतन्य रहता है। इस प्रकार आर-पार के संसार को जानकर सबसे सुरक्षित कर लिया।

मुमुक्षु दीपिका की द्विदिवसीय दीक्षा समारोह का दादावाडी में हुआ आगाज

संयम अर्थात इच्छाओं पर नियंत्रण : युवाचार्य महेंद्रऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के दादावाड़ी प्रांगण में मुमुक्षु दीपिका की दीक्षा समारोह का आयोजन युवाचार्यश्री महेन्द्रऋषिजी के सान्निध्य में प्रारंभ हुआ। इस मौके पर युवाचार्यश्री महेंद्रऋषिजी ने मुमुक्षु दीपिका के दीक्षा संबधित समारोह की पूर्व संध्या पर कहा कि संयम और सोना दोनों की परीक्षा उसके तपने पर होती है, जिस तरह सोना तपने के बाद निखरता है उसी तरह संयम जीवन ग्रहण करने के बाद उसकी कड़ी साधना से ही उसकी महक बढती है। उन्होंने कहा कि संयम का मतलब इच्छाओं का अंत हैं, जबकि जो संयम नहीं लेते हैं उनकी इच्छाओं की पूर्ति कभी भी नहीं होती है। युवाचार्यश्री ने कहा कि बारिश की तमाम कठिनाइयों के बावजूद दीक्षार्थी के प्रबल पुण्योदय से दीक्षा के कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न होना शुभ संकेत हैं।

गुरुवार को दीक्षा के दो दिवसीय समारोह के पहले दिन मोतीलाल ओस्तवाल एयनावरम के घर से शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें दीक्षार्थी के साथ सैकड़ों लोगों ने 'दीक्षार्थी अमर रहे' के नारों से रास्ता गुंजायमान कर दिया। शोभायात्रा दादावाडी पहुंच कर विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। इससे पूर्व राजश्री पिन्चा ने नवकार मन्त्र के पठन से समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर हितेंद्रऋषिजी ने संयम पथ पर आने वाली कठिनाइयों का वर्णन करते हुए दीक्षार्थी के मंगलमय संयम यात्रा की मंगल कामना की। साध्वी अनिमाश्रीजी और डॉ प्रतिभाजी ने भी संयम पथ की चुनौतियों का सामना करने के लिए दीक्षार्थी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। साध्वी विनयश्रीजी ने युवाचार्य प्रवर के दीक्षा समारोह में शामिल होने के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए साहुकारपेट संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द खिंवसरा और सभी पदाधिकारियों को उनके चातुर्मास और दीक्षा में भागीरथी प्रयासों के लिए साधुवाद व्यक्त किया।

इस समारोह में सेवाभावी धवल मुनिजी, एवं साध्वीश्री कचन कंवर जी, साहूकारपेट में चातुर्मास रत विदुषी महासती राजमतीजी महाराज सा, जिनके सानिध्य में मुमुक्षु दीपिका दीक्षित हो रही है और डॉ. प्रतिभाजी महाराज सा आदि साध्वी वृंद उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान ब्रज मधुकर श्रावक समिति द्वारा मुमुक्षु सुश्री दीपिका को प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। इस आयोजन में दीक्षार्थी के वीर माता पिता मन्जू और योगेश जोधपुर से और देश के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। समारोह के विशिष्ट अतिथि सुरेश लूनावत भी उपस्थित थे।इसके अलावा संघ और दीक्षा समिति के पदाधिकारी और दीक्षा के लगभग सभी लाभार्थी समारोह में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए साहुकारपेट संघ के महासचिव संजय पिन्चा ने बताया कि शुक्रवार व शनिवार को होने वाले दीक्षा कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर ज्यादा से ज्यादा सामायिक से दीक्षार्थी के आध्यात्मिक सफर की शुरुआत का आव्हान किया।

भागवत कथा में कृष्ण जन्मोत्सव एवं कृष्ण रुक्मिणी विवाह प्रसंग की हुई प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय चन्द्रप्रभु कालोनी मुलैकड़ै स्थित कुमावत समाज भवन में आठ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कुमावत समाज मुलैकड़ै के अध्यक्ष घेवरराम पिलोदिया ने बताया कि कथा वाचक व्यास पीठ सोहनमहाराज राम द्वारा निमाज ने सातवें दिन कथा में कृष्ण रुक्मिणी का मंगल विवाह एवं छठे दिन श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें कृष्ण रुक्मिणी कि सुन्दर झांकी की प्रस्तुति दी गई। नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में सोनू महाराज द्वारा नवदुर्गा माता रानी के भजनों की प्रस्तुति दी गई। सेवा मंडल के अध्यक्ष घेवरराम पिलोदिया,उपाध्यक्ष धर्मीचंद अडाणिया, कालूराम गोठवाल, मदनलाल दुबलदिया(धनेरिया), कोषाध्यक्ष पुखराज कारीवाल एवं अमरचंद पिलोदिया, खेताराम बाकरेचा, पुखराज माननीया, फतेहचंद दुबलदिया,सेवा मंडल अध्यक्ष पेमाराम मोचीवाल उपाध्यक्ष माणकचंद नागौरा, रमेश घोड़ावड़, तरुण जायलवाल, जयप्रकाश पिपाड़ा, रमेश मेवाड़ा, राजेश पिलोदिया, राजुराम पिपाड़ा, मोती नागोरा, रतनलाल पिलोदिया, नोरतमल पिलोदिया, खीयाराम गुगाण एवं अन्य मौजूद रहे।

चारित्र की सुरक्षा के लिए इंद्रिय संयम की आवश्यकता है : साध्वी गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साध्वी डॉ गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में नवरात्र के महाअनुष्ठान के अंतर्गत अनेक नए-नए मंत्रों की अनुभव सिद्ध साधना करवाई गई।

साधना और मंत्रों की विशेषता एवं महत्ता को बताते हुए डॉ. साध्वी गवेषणाश्री ने कहा कि जीवन के उतार-चढ़ाव में अनेक उपद्रव उपसर्ग व कष्ट आते रहते हैं, उसमें कुछ उपद्रव मानसिक तो कुछ दैविक या तिर्यंचकृत भी हो सकते हैं, इसलिए आवश्यकता है हम अपना एक रक्षा कवच तैयार करें। साध्वी मयंकप्रभाजी ने कहा कि जैसी खेती की सुरक्षा के लिए बाड़ की, चारित्र की सुरक्षा के लिए इंद्रिय संयम की आवश्यकता है, वैसे ही स्वसुरक्षा के लिए मंत्र साधना की जरूरत है।

साध्वी दक्षप्रभाजी ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की। रक्षाकवच दृढ़ मजबूत और कठोर बनाने के लिए व मनुष्यकृत आदि उपद्रवों से बचने हेतु आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा प्रदत बीज मंत्रों का प्रयोग करवाया एवं रात्रि में भी विशेष अनुष्ठान बाधा,विघ्न, कामण-टामण की शांति एवं सुरक्षा हेतु करवाए।

इस दौरान अभातेयुप से कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कोर्स के राष्ट्रीय सहप्रभारी सोनू डागा का तिरुपुर से चेन्नई साध्वी श्रीजी के दर्शनार्थ आना हुआ, उनका स्वागत एवं सम्मान तेयुप चेन्नई के अध्यक्ष संदीप मूथा एवं अभातेयुप मंत्र दीक्षा सहप्रभारी संतोष सेठिया एवं गणपत डागा ने किया।

चेन्नई तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

बबीता चोपड़ा बनीं अध्यक्ष एवं जयेश डागा बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साध्वी डॉ गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) की नवगठित टीम का शपथ ग्रहण समारोह तीर्थंकर समवसरण में हुआ। अध्यक्ष प्रसन्न बोथरा ने स्वागत करते हुए दोवर्षीय कार्यकाल में मिले सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और पदभार हस्तांतरण किया। टीपीएफ साउथ ज़ोन अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम की गतिविधियों के बारे में प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि सुनील कुमार संकलेचा ने नवगठित टीम को शपथ दिलाई। जैन महासंघ के अध्यक्ष प्यारेलाल पितलिया विशिष्ट अथिति के रूप में उपस्थित थे। नवमनोनित अध्यक्ष बबिता चोपड़ा ने पूरे समाज को धन्यवाद दिया और 'नयी टीम, नयी उम्मीद - आओ मिल के बनाये नया कल' के घोष के साथ चेन्नई टीपीएफ को नई ऊंचाई तक ले जाने का विश्वास दिलाया। अपनी टीम में प्रमिला गोलेच्छा एवं कमल कटारिया को उपाध्यक्ष, जयेश डागा को मंत्री, सुनील बाफना व विपुल मुनोथ को सहसचिव, सुमित दफ्तरी को कोषाध्यक्ष, अक्षय मुनोथ को संगठन मंत्री मनोनीत किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रसन्न बोथरा के साथ कार्यसमिति सदस्यों की घोषणा की।

साध्वी डॉ गवेषणाश्रीजी ने प्रोफेशनल्स को अपनी प्रतिभा एवं योग्यता के अनुसार स्वयं का एवं समाज का लक्ष्य पूर्ण हितकारी काम करने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री मयंकप्रभाजी ने भी पूरी टीम के प्रति आध्यात्मिक मंगलकामनाएं व्यक्त की। राष्ट्रीय टीम से गौतमचंद बोहरा, डॉ कमलेश नाहर, दिनेश धोका एवं अनिल लुणावत के साथ कार्यक्रम में तेरापंथ सभा, तेरापंथ युवक परिषद, महिला मंडल व अणुव्रत समिति के अध्यक्ष एवं माधावरम् ट्रस्ट के प्रबन्धन्यासी आदि श्रावकों की सराहनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु डुंगरवाल ने किया। नवनिर्वाचित मंत्री जयेश डागा ने धन्यवाद दिया।

जीव के अज्ञान का समूल नाश करती है मां सरस्वती : सियारामशरण शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधावरम स्थित शारदीय नवरात्रि सेवा समिति ट्रस्ट के तत्वावधान गतिमान नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा में व्यासपीठ पर विराजित कथा व्यास सियारामशरण शास्त्री ने कथा के सातवें दिन माता वीणापाणी सरस्वतीजी के प्राकट्य के साथ साथ किस तिथि को किन किन वस्तुओं के द्वारा नवदुर्गा पूजन करने से माँ नवदुर्गा शीघ्रतिशीघ्र प्रसन्न हो कर समस्त भक्तों के सम्पूर्ण मनोरथों कैसे पूर्ण करती हैं की कथा सुनाई। ऐसी परमपावनी मनभावनी कथा सुनकर समस्त भक्त भाव विभोर हो गए एवं जय माता दी के पवित्र नाम के नारों से समस्त प्रांगण गूँज उठा। राजराजेश्वरी कल्याण मंडप में आयोजित कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

कथा आयोजक डीके पांडे, राघव राजपूत, सतीश जायसवाल, मनीष पाठक, मानस जेना, पंकज सिंह पूजा एवम आरती आचार्य पंडित समीर मिश्र सहित अनेक कार्यकर्ता व्यवस्था में लगे हुए है ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.